राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 28 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–92 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तंजावुर में रथ यात्रा के दौरान दर्दनाक हादसा, करंट लगने से 11 लोगों की मौत, कई घायल

तमिलनाडु के तंजावुर में हाई टेंशन तार की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत हो गई है। दर्दनाक हादसा रथ यात्रा निकाले जाने के दौरान हुआ है। मृतकों में कुछ बच्चे भी हैं। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

तंजावुर। तमिलनाडु के तंजावुर जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। कालीमेडु में अप्पर मंदिर की रथ यात्रा के दौरान कई लोग हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गए। करंट लगने से 11 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। घायलों को तंजावुर मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।

मृतकों में कुछ बच्चे भी शामिल

पुलिस ने बताया कि मृतकों में कुछ बच्चे भी शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। ये हादसा उस वक्त हुआ जब बुधवार तड़के रथ यात्रा निकाली जा रही थी। रथ यात्रा के दौरान आसपास के गांवों से कई श्रद्धालु आए हुए थे। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रथ एक मोड़ से गुजर रहा था। इसी दौरान रथ पर खड़े लोग एक हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गए। करंट की चपेट में आने से रथ पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। राहत और बचाव कार्य जारी है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है।

● पुलिस ने बताया कि मृतकों में कुछ बच्चे भी शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। ये हादसा उस वक्त हुआ जब बुधवार तड़के रथ यात्रा निकाली जा रही थी। रथ यात्रा के दौरान आसपास के गांवों से कई श्रद्धालु आए हुए थे। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रथ एक मोड़ से गुजर रहा था। इसी दौरान रथ पर खड़े लोग एक हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गए। करंट की चपेट में आने से रथ पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

मुआवजे का एलान

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का एलान किया है। मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा।

सुनील जाखड़ और केवी थॉमस पर अनुशासन का डंडा, सभी पदों से हटे; पर सोनिया गांधी ने दिखाई नरमी

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के दिग्गज नेता सुनील जाखड़ को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया है। अनुशासन समिति की सिफारिश पर सोनिया गांधी ने पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ के खिलाफ ऐक्शन लिया है। उनके अलावा केरल के सीनियर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री केवी थॉमस को भी सभी पदों से हटा दिया गया है। उन्हें हाईकमान ने सीपीएम की ओर से आयोजित सेमिनार से दूर रहने को कहा था, लेकिन उन्होंने उसमें हिस्सा लिया था। उनके इस फैसले को पार्टी विरोधी गतिविधि माना गया था। इसके अलावा सुनील जाखड़ ने पंजाब चुनाव से पहले कहा था कि उन्हें इसलिए सीएम नहीं बनाया गया था क्योंकि वह हिंदू हैं। इसके अलावा तत्कालीन सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ भी बयान दिए थे। इस पर कई नेताओं ने ऐतराज जताया था और हाईकमान से उनके खिलाफ ऐक्शन लेने की मांग की थी। इस पर मंगलवार शाम को हाईकमान ने सुनील जाखड़ और केवी थॉमस को पार्टी के सभी पदों से हटाने का आदेश दिया। हालांकि इस पर सुनील जाखड़ का रिएक्शन सामने आया है और उनका कहना है कि मैं तो पार्टी में किसी पद पर था ही नहीं। कहा जा रहा है कि अनुशासन समिति ने उन्हें दो साल के लिए पार्टी से बाहर करने की सिफारिश की थी, लेकिन खुद सोनिया गांधी ही इसके खिलाफ थीं। उनका कहना था कि पुराने नेताओं के खिलाफ इतना कड़ा ऐक्शन लेना ठीक नहीं है।

मेघायल के 5 विधायकों पर भी चला अनुशासन का डंडा

कांग्रेस की अनुशासन समिति में शामिल तारिक अनवर ने कहा, सुनील जाखड़ और केवी थॉमस की वरिष्ठता को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है कि उन्हें किसी भी पद पर न रखा जाए। इसके अलावा निकट भविष्य में भी ऐसा नहीं किया जाए। दोनों ही बेहद सीनियर लीडर थे, इसलिए बहुत कड़ा ऐक्शन नहीं लिया गया।

चिलचिलाती गर्मी के बीच कोयला संकट बरकरार, कई पावर प्लांट्स 30 प्रतिशत कम पैदा कर रहे बिजली

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर हिस्सों में चिलचिलाती गर्मी के लगातार बने रहने और बिजली की भारी मांग की वजह से बिजली कंपनियों पर खासा दबाव बना हुआ है. कोयले की कमी की वजह से बिजली संकट को देखते हुए राज्य बिजली वितरण कंपनियों ने कुछ राज्यों में पांच से आठ घंटे के बीच बिजली कटौती का सहारा लिया है. कुछ दिनों में पिछले साल इसी समय की तुलना में मैदानी इलाकों में बिजली की मांग में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है. अधिकारियों का कहना है कि थर्मल पावर प्लांट्स को पर्याप्त कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार को खासा संघर्ष करना पड़ता है.

आने वाले सप्ताह में बिजली की मांग बढ़ने में और वृद्धि की संभावना है, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 2 मई तक भीषण गर्मी की लहर की भविष्यवाणी की है, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर सकता है. कल मंगलवार को ही देश के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया.

40 प्रतिशत कम हो रहा बिजली का उत्पादन

थर्मल पावर प्लांट्स देश की 3,99,496 मेगावाट की बिजली उत्पादन क्षमता का 70त हिस्सा हैं और बिजली मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार कोयले की कमी के कारण ये 30-40त अपनी उत्पादन क्षमता से नीचे चल रहे हैं. बिजली मंत्रालय ने कोयले को बिजली संयंत्रों तक ले जाने के लिए रेक्स की कमी को भी हाइलाइट किया है, क्योंकि उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में ट्रकों के माध्यम से कोयले ले जाया जाता है. समाचार एजेंसी पीटीआई को रविवार को दिए एक साक्षात्कार में, कोयला सचिव एके जैन ने बिजली संयंत्रों में कोयले के कम स्टॉक के लिए कई कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया

देश में फिर डरा रही कोरोना संक्रमण की रफ्तार!

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण की रफ्तार फिर से डरा रही है. विशेषज्ञ भारत में कोविड 19 की चौथी लहर की आशंका जता रहे हैं. इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 2927 नए केस सामने आए हैं. आंकड़ों पर गौर करें तो यह नए केस मंगलवार को सामने आए मामलों की तुलना में 17.8 फीसदी अधिक हैं. वहीं 24 घंटे में देश में 32 लोगों की मौत कोरोना वायरस से हुई है. ऐसे में इन दिनों कोरोना को लेकर चिंता जताई जा रही है. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 24 घंटे में देश में कोरोना वायरस संक्रमण

के एक्टिव केस बढ़कर 16,279 हो गए हैं. वहीं देश में 24 घंटे में 2252 लोगों को कोरोना से ठीक होने पर अस्पताल से छुट्टी दी गई है. भारत में कोरोना की रोजाना की पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 0.58 फीसदी हो गई है. अब देश में कोरोना संक्रमण के कुल मामले 4,30,65,496 हो गए हैं. साथ ही 4,25,25,563 लोग अब तक कोरोना से ठीक हो चुके हैं. आंकड़ों के मुताबिक भारत में कोरोना संक्रमण से अब तक 5,23,654 लोगों की मौत हो चुकी है. वहीं देश में अब तक 1 अरब 88 करोड़ 19 लाख 40 हजार 971 टीकाकरण हो चुका है.

ताजमहल में भगवाधारी बैन? जगद्गुरु परमहंसाचार्य को प्रवेश से रोका, धर्मदंड पर भी आपत्ति

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थित विश्व के सात आश्चर्यों में से एक ताजमहल को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। बुधवार को यहां कथित तौर पर भगवा कपड़ों और धर्म दंड की वजह से जगद्गुरु परमहंसाचार्य को ताजमहल में जाने से रोक दिया गया।

अयोध्या छावनी के रहने वाले संत जगद्गुरु परमहंसाचार्य अपने तीन शिष्यों के साथ मंगलवार को ताज देखने पहुंचे तो यूपी पुलिस के जवानों ने पूरे सत्कार के साथ उन्हें ताज के प्रवेश द्वार तक जाने वाली गोल्फ कार्ट में बैठाया, लेकिन प्रवेश द्वार पर मौजूद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों ने उनके साथ बेरुखी अपनाई।

बताया जाता है कि संत जगद्गुरु परमहंसाचार्य अपने शिष्यों के साथ अलीगढ़ के एक भक्त परिवार से मिलने आए थे। वहां से चलकर वे ताजमहल देखने आए। उनके साथ सरकारी गनर भी थे। उनके शिष्य ने बताया कि श्मशानघाट चौराहे से जब वे ताजमहल के लिए निकले तो वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने परिचय जानकर उन्हें गोल्फ कार्ट में बैठाकर पश्चिमी गेट भेजा।

दो हादसों में चाचा-भतीजा की मौत,

एक साथ उठी अर्थीशाम करीब साढ़े पांच बजे संत अपने शिष्यों के साथ ताजमहल में प्रवेश करने लगे तो वहां मौजूद सीआईएसएफ और अन्य कर्मचारियों ने उन्हें रोक दिया। उनके भगवा पहने होने के कारण प्रवेश न देने की बात कही गई और उनके टिकट लेकर अन्य पर्यटकों को बेच दिए गए। उनका पैसा लौटा कर वापस भेज दिया गया। आरोप है कि उनके शिष्य ने जब फोटो खींचने का प्रयास किया तो मोबाइल फोन छीन कर फोटो डिलीट कर दिए गए।

जो लोग दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई हो-जगद्गुरु परमहंसाचार्य के शिष्य ने कहा कि ताजमहल पर भगवा को भी प्रवेश मिलना चाहिए और जो लोग दोषी हैं, जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस संबंध में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीक्षण पुरातत्वविद आर के पटेल ने कहा कि भगवा कपड़े पहने व्यक्ति को सीआईएसएफ ने रोका था और इसका कारण यह था कि वे अपने साथ लोहे का एक डंडा लिए थे। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें डंडा वहीं रख कर जाने को कहा, पर वे तैयार नहीं हुए। ताजमहल पर किसी भी तरह का प्रचार प्रतिबंधित है। धार्मिक वेशभूषा जैसे टोपी, कुछ लिखे अंगवस्त्रत्त् व किसी भी जगह की वेशभूषा पर रोक नहीं है, इसके बावजूद कई मामले ऐसे आ चुके हैं।

राहत के बाद दिल्ली में फिर बढ़ेगी गर्मी, आज से लू चलने की संभावना

नई दिल्ली। दिल्लीवालों को गुरुवार से एक बार फिर लू का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि गुरुवार से अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वहीं, शुक्रवार को 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। हालांकि, इसका खास असर तापमान पर नहीं पड़ेगा।

खराब श्रेणी में बनी रहेगी अभी हवा

दिल्ली की हवा वातावरण में मौजूद धूल कणों के चलते अभी

खराब श्रेणी में रहेगी। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक मंगलवार को 200 के अंक से ऊपर यानी खराब श्रेणी में रिकॉर्ड किया गया। बतादें कि मौसम के कारकों के चलते दिल्ली के लोगों को इस बार सामान्य से अधिक प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है।

मेट्रो और पॉड टैक्सी चलाने के लिए 300 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नोएडा। यमुना प्राधिकरण की हुई बोर्ड बैठक में 4,528 करोड़ रुपये के बजट पर मुहर लग गई। प्राधिकरण ने जमीन खरीद, निर्माण योजनाएं, ग्रामीण विकास और कनेक्टिविटी (पहुंच) पर जोर दिया है। जमीन खरीद के लिए 1535 करोड़, निर्माण योजनाओं पर 1,160 करोड़, मेट्रो व पॉड टैक्सी पर 300 करोड़ और ग्रामीण विकास पर 157 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्राधिकरण ने किसानों का मुआवजा 125 रुपये प्रति वर्ग मीटर बढ़ा दिया है। यमुना प्राधिकरण की 73वीं बोर्ड बैठक चेयरमैन अरविंद कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में

वित्तीय वर्ष 2022-23 का 4,528 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया, जिसे बोर्ड ने पास कर दिया। इस साल निर्माण योजनाओं पर 1,160 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्राधिकरण ने जेवर एयरपोर्ट के दूसरे चरण के लिए 405 करोड़ का प्रावधान किया है। इसके अलावा मेट्रो, पॉड टैक्सी, सड़क निर्माण में 300 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ.अरुणवीर सिंह ने बताया कि ने बजट में भूमि अधिग्रहण को प्राथमिकता पर रखा है।

1200 एकड़ जमीन खरीदेंगे-इस साल 1,200 एकड़ जमीन खरीदने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 1,535 करोड़ तय किए गए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में प्राधिकरण ने 583 करोड़ रुपये जमीन खरीद में खर्च किए थे। इसके जरिए 455 एकड़ जमीन खरीदी गई थी। इस साल लॉजिस्टिक हब, मेडिकल डिवाइस पार्क और कई नई औद्योगिक योजनाएं लांच की जाएंगी। इसके लिए अधिक जमीन की आवश्यकता होगी। इसीलिए भूमि अधिग्रहण के लिए अधिक पैसा रखा गया है।

ग्रामीण विकास पर बजट बढ़ा

यीडा ने गांवों को स्मार्ट बनाने के लिए (स्मार्ट विलेज) 76.98 करोड़ आवंटित किए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में 10 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इसी तरह गांवों के विकास पर 80 करोड़ का बजट तय किया गया है, जबकि पिछले साल 20 करोड़ खर्च हुए थे। इस बार सभी गांवों के विकास पर 157 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पिछले साल यह बजट 110 करोड़ का था।

केंद्रीय विद्यालयों से कोटा राज खत्म, पीएम मोदी की पहल पर लिया गया बड़ा फैसला, प्रवेश से जुड़ी नई गाइडलाइन जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए केंद्र सरकार ने इनमें लागू कोटा प्रथा को लगभग समाप्त कर दिया है। इस फैसले के तहत जो कोटे खत्म किए गए है, उनमें सांसदों, शिक्षा मंत्रालय के कर्मचारियों, केंद्रीय विद्यालयों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सहित प्रवेश से जुड़े करीब दर्जन भर कोटे शामिल है। इसके साथ ही केंद्रीय विद्यालयों में इस कोटे से हर साल भरी जाने वाली करीब चालीस हजार सीटें भी मुक्त हो गई है। इनमें अकेले करीब आठ हजार सीटें सांसदों की सिफारिश से भरी जाती थी। प्रत्येक सांसद को दस सीटों का कोटा दिया गया था।

खासबात यह है कि केंद्रीय विद्यालयों में विशेष कोटे से भरी जाने वाली यह सीटें इन स्कूलों में निर्धारित क्षमता के अतिरिक्त होती थी। ऐसे में इस प्रवेश से केंद्रीय विद्यालयों की गुणवत्ता सहित छात्र - शिक्षण अनुपात सहित कई तरह के मानक भी प्रभावित हो रहे थे। हालांकि इस स्थिति के बाद भी यह मामला सांसदों सहित मंत्रालय आदि से जुड़ा होने के चलते कोई भी इसमें हाथ डालने से बच रहा था।

सबसे पहले शिक्षा मंत्री ने अपने कोटे को खुद किया खत्म -आखिरकार प्रधानमंत्री ने इसमें दखल दी और कोटे की इस प्रथा को खत्म करने के लिए कहा। इसके बाद सबसे पहले शिक्षा मंत्री ने खुद अपने कोटे को खत्म किया और पिछले साल ही अपने कोटे से एक भी प्रवेश नहीं दिया। साथ ही केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) को प्रवेश से जुड़े विशेष कोटे की नए सिरे से समीक्षा करने के निर्देश दिए। पीएम की इस पहल और शिक्षा मंत्री के निर्देश के बाद केवीएस ने पिछले दिनों ही इस कोटे पर रोक लगा थी। साथ ही पूरे कोटे की समीक्षा करने का फैसला लिया था।

यह पहल केंद्रीय विद्यालयों की गुणवत्ता को देगी मजबूती

इस बीच केवीएस ने मंगलवार को प्रवेश से जुड़े करीब दर्जन भर विशेष कोटे को खत्म करने के साथ प्रवेश को लेकर एक संशोधित गाइडलाइन भी जारी की है। इन दौरान जो कोटा खत्म किया गया है, उनमें सांसदों, शिक्षा मंत्रालय के कर्मचारियों, केंद्रीय विद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों, प्रायोजित एजेंसियां,स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, जिसमें जिला कलेक्टरों या फिर ऐसी एजेंसियों के प्रमुख जो स्कूल के निर्माण के लिए भूमि मुहैया कराते है, के अतिरिक्त राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों आदि के कोटे को खत्म किया गया है। माना जा रहा है कि यह पहल केंद्रीय विद्यालयों की गुणवत्ता को मजबूती देगी। साथ ही नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की सिफारिशों को भी लागू में सहूलियत होगी।

मौजूदा समय में देश में करीब 1250 केंद्रीय विद्यालय है। इनका संचालन शिक्षा मंत्रालय की ओर से किया जाता है। इन विद्यालयों की स्थापना मूलरूप से केंद्रीय कर्मचारियों जिसमें सेना, रेलवे आदि के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए किया गया है।

प्रतिभाशाली बच्चों सहित कोविड में अनाथ बच्चों का कोटा बरकरार

केवीएस ने इस बीच खेल, स्काउट गाइड व फाइन आर्ट जैसी विधाओं से जुड़े प्रतिभाशाली बच्चों, एक बालिका और वीरता व बालश्री पुरस्कार प्राप्त बच्चों के प्रवेश से जुड़े कोटे को बरकरार रखा है। इसके साथ ही कोरोना में अनाथ हुए बच्चों और कश्मीरी विस्थापितों के बच्चों के लिए दाखिले में विशेष रियायत जारी रखने का भी फैसला लिया है।

कोरोना में अनाथ हुए बच्चों को दाखिला पीएम केयर स्कीम के तहत दिया जाएगा। इसके तहत जिला कलेक्टर की सिफारिश पर किसी भी स्कूल में ऐसे दस बच्चों को और एक कक्षा दो बच्चों को दाखिला देने का प्रावधान किया गया है। इनकी एक से बारहवीं तक पूरी फीस भी माफ की गई है। वहीं कश्मीरी विस्थापितों के बच्चों को प्रवेश के लिए तीस दिन का ज्यादा समय देने सहित उनकी उनका कटआफ एससी- एसटी बच्चों के बराबर रखने का प्रावधान किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है। - रीटा माए ब्राउन

संपादकीय

भाईचारे के हक में

सर्वोच्च न्यायालय ने कल दो अलग-अलग मामलों में यह बिल्कुल साफ कर दिया कि देश के सांप्रदायिक भाईचारे से खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं दी जाएगी और इसके लिए शीर्ष अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकते। आला अदालत ने जहां रामनवमी के दिन विभिन्न राज्यों में हुई सांप्रदायिक हिंसा की वारदातों की न्यायिक जांच की मांग करने वाली याचिका को 'अगंभीर' मानते हुए खारिज कर दिया, तो वहीं एक अन्य मामले में रुड़की धर्म-संसद के संदर्भ में 'हेट स्पीच' को लेकर उत्तराखंड सरकार को आगाह करते हुए मुख्य सचिव की जवाबदेही तय करने की हिदायत भी दे डाली। यही नहीं, हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में हुई धर्म-संसद में वैधानिक दिशा-निर्देशों के कथित उल्लंघन को लेकर उसने राज्य सरकार से जवाब-तलब भी किया है। आरोप है कि ऊना जिले के मुबारकपुर गांव में हाल में आयोजित धर्म-संसद में उन्हीं लोगों ने फिर से सांप्रदायिक विष-वमन किया, जो हरिद्वार धर्म-संसद में आपत्तिजनक बयानबाजी के लिए गिरफ्तार हुए थे और फिलहाल जमानत पर हैं। रामनवमी से अब तक देश में सांप्रदायिक हिंसा की कई घटनाएं हो चुकी हैं और इन वारदातों का दायरा लगभग एक दर्जन राज्यों में फैल चुका है। ऐसे में, सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणियां काफी महत्वपूर्ण हैं। यदि शीर्ष अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होने लगे, तो प्रशासनिक लापरवाही की गुंजाइश ही नहीं रह बचेगी। यह जानते हुए कि सांप्रदायिक हिंसा से न सिर्फ पूरा सामाजिक ताना-बाना प्रभावित होता है, जान-माल की क्षति होती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल होती है, हमारा प्रशासनिक अमला प्राय- बेहतर नजीर नहीं पेश कर पाता। समाज के अगुवा लोग भी अब बहुत सक्रिय नहीं दिखते। आखिर शहरों की शांति समितियां कहां होती हैं? सद्भाव बनाए रखने का दायित्व सरकार के साथ-साथ समाज का भी है। आखिर जो लोग नुकसान हो जाने के बाद तिरंगा यात्रा निकालते हैं, वे उस वक्त कहां होते हैं, जब उनकी रहनुमाई की सबसे अधिक जरूरत होती है? कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है और देश गवाह है कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति की बदौलत कई राज्य सरकारों ने किसी भी संप्रदाय के असामाजिक तत्वों को सिर नहीं उठाने दिया। यह बताने की जरूरत नहीं होनी चाहिए कि सामाजिक उथल-पुथल देश की आर्थिक तरक्की को प्रभावित करती है। इससे निवेशक बिदकते हैं और राज्य की जो ऊर्जा तरक्की में लगनी चाहिए, वह सामाजिक सौहार्द की बहाली में खर्च करनी पड़ती है। उत्तर भारतीय राज्यों के पिछड़ेपन का एक बड़ा कारण सांप्रदायिक तनाव रहा है। इसलिए सरकारों को ऐसे मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए। यह देखना सुखद है कि उत्तर प्रदेश सरकार के सख्त और संतुलित रुख के कारण मंदिरों और मस्जिदों ने अपने तईं कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। किसी भी धर्म में धर्मगुरुओं व पंथ-प्रधानों का काम गुमराह लोगों को सही रास्ता दिखाना होता है, इसकी एक सुदीर्घ परंपरा भारत में रही है, मगर धर्म की आड़ में राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की खेती अब इसे नुकसान पहुंचाने लगी है। व्यक्तिगत, सामुदायिक व राष्ट्रीय उत्कर्ष में सहायक धार्मिक आयोजनों से भला किसी को क्यों गुरेज होगा, पर उन्हें सामाजिक भाईचारे और देश के विकास में बाधक बनने से रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट से पहले तो समाज को ही खड़ा होना चाहिए।

टकराव के बजाय वार्ता ही लोकतांत्रिक राह

राजेश रामचंद्रन

लगभग 24 साल पहले वरिष्ठ पत्रकार अमूल्य गांगुली ने देशभर में हुए विभिन्न बड़े सांप्रदायिक दंगों पर जांच आयोगों की रिपोर्टों की छानबीन करके लिखा था, इस खोज कार्य में मैं भी शामिल था। जो सबसे ज्यादा चौंकाने वाला पहलू था, वह यह कि दंगों के सभी मामलों में सांप्रदायिक टकराव भड़काने वाली चिंगारी की शुरुआत, प्रक्रिया और तौर-तरीका मानो एक बनी-बनाई लीक का पालन करते हैं - धार्मिक अवसर पर जुलूस निकालो, जानबूझकर दूसरे समुदाय के मोहल्ले से गुजारा जाए, बस हो गया काम, जल्द ही टकराव होकर रहेगा। आगे, राजनीतिक नतीजों को लेकर चुनावी विश्लेषण दर्शाता है कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति करने वाले दलों के पाले में वोटों का अंबार लगा। यह दशकों तक जांचा-परखा और समय-सिद्ध नुस्खा है और जब कभी ऐसे मजहबी दंगे राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड और अब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी घटें तो पुनरावृत्ति ही है। इस पुरानी प्रचालन संहिता में बस एक नया तत्व बुलडोज़र है, जो कानून से इतर तत्काल सजा देने की खातिर दनदनाता है। लेकिन अनुत्तरित सवाल वही है- क्यों? खास मोहल्लों से पर्व के मौके पर जुलूस निकालकर सांप्रदायिक टकरावों की शुरुआत करना तुरंत किसी को भी सोच में डालेगा कि ज्यादातर ध्रुवीकृत हो चुकी राजनीति में अब इन बवालों का राजनीतिक उद्देश्य क्या है। क्या कोई फौरी राजनीतिक भड़काहट थी? क्या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से लाभ लेने वालों को देशभर में अपने दबदबे को खतरा महसूस हुआ है, जिससे राष्ट्रव्यापी रार बनाना जरूरी हो गया? क्या उन्हें अगले चुनावों में वक्त रहते अपनी राजनीतिक पकड़ ढीली पड़ती दिखाई देने लगी है? क्या यह दो राज्यों में मिली राजनीतिक शिकस्त की प्रतिक्रिया है? ऐसा होना तो नहीं चाहिए क्योंकि हालिया चुनावों में उन्होंने एक बड़े प्रदेश में अपनी रिकॉर्ड वापसी की है और तीन अन्य में भी बढ़िया प्रदर्शन किया है। उत्तर प्रदेश केवल सांप्रदायिक नफरत भड़काकर नहीं जीता- बल्कि यह सोशल इंजीनियरिंग साधने का बेहतरीन नमूना बना, साथ ही कानून के दायरे से बाहर जाकर की गई पुलिसिया कार्रवाइयां और मुफ्त की चीजों-सुविधाओं की घोषणाएं करना, कमजोर और साखहीन विपक्षियों के बरक्स, सत्तासीनों के पक्ष में काम कर गया। दरअसल, भाजपा के लिए सफलता का सबसे बड़ा मंत्र विपक्ष की तार-तार हुई पड़ी साख है। तथापि, बहुसंख्यक शक्तियों के नवीनतम रूपांतरों का उद्भव होते देखकर कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि यह देशभर में एक समुदाय को तल्खी की ओर धकेलने का प्रयास है। अगर मामला यही है, तो भारत के लिए बतौर एक राष्ट्र और एक समाज फायदेमंद नहीं है। देश में अल्पसंख्यक वर्ग एक अच्छी-खासी तादाद वाला है। यदि उसे कोने में धकियाया गया तो सौहार्द और विकास पर असर पड़ेगा। अगर जनसंख्या के एक वर्ग को जान-माल की सुरक्षा पर संदेह रहे तो जाहिर है वह कौम स्थिरता में सहायक नहीं रहेगी। एक शक्तिशाली राष्ट्र को लग सकता है कि गांधीवादी तरीकों से समान प्रतिनिधित्व और हक मांगने वाले आंदोलन की बनिस्बत उग्रता को कुचलना आसान होगा। लेकिन यह एक आंख मूंदकर जुआ खेलने जैसा है। नाराजगी की ओर धकियाए एक अल्पसंख्यक समुदाय को अलग-थलग कर रखना भारतीय संदर्भ में हो नहीं सकता क्योंकि हमारे यहां तो कश्मीर में दो वर्गों को विशेष रूप से निशाना बनाकर किए हमले रोक पाना संभव नहीं हो पाया- अक्तूबर, 2021 से लेकर नौ लोग केवल इसलिए मार दिए कि वे उस मजहब के नहीं थे। कश्मीर की सांप्रदायिक हत्याओं और जातीय संहार ने बिना शक देश के हिंदी-भाषी इलाकों में बहुसंख्यक राजनीति के उद्भव को वैध बना डाला, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि इससे उसे हमारे मुख्य राजनीतिक स्वरूप को बिगाड़ने का लाभ मिले। जब भी देश पर बहुसंख्यक हित की विचारधारा पर चलने वालों का राज आया है, जाहिर है बहुसंख्यक वर्ग मुख्यधारा की राजनीति बना। अब राजनीति की उस पांत वालों को मुल्क के एक समुदाय के प्रति अपने रवैये का विश्लेषण करना चाहिए। देश के भविष्य की खातिर, बहुसंख्यक वर्ग के रणनीतिकारों और सामाजिक समन्वयकारों को सुस्पष्ट दृष्टिकोण बताने के लिए भारतीय अल्पसंख्यकों के प्रति अपने नजरिए की व्याख्या करनी चाहिए। बहुसंख्यकों का उक्त संगठन सदा यह दावा करता आया है कि उसे कभी राजनीतिक ताकत की लालसा नहीं रही और वह भारतीय राष्ट्र के लिए सभ्यात्मक ध्येय रखता है। फिर, कैसे यह संगठन देश के बड़ी संख्या वाले अल्पसंख्यक समुदाय को अलग नजरिये से देखता है? 'वसुधैव कुटुम्बकम' पर चलने में गर्व हो, वहीं उसका कोई कदम से किसी कौम से भेदभाव जैसा लगे तो विश्व में उसके प्रति क्या राय बनेगी। इसकी बजाय, उस संगठन के सर्वोत्तम विचारकों को अल्पसंख्यक बुद्धिजीवियों के साथ मिल-बैठकर साझा हितों के वास्ते विचार और संभावनाओं की जमीन तैयार करनी चाहिए। एक पीड़ित से यह कहना अलोकतांत्रिक होगा कि वह उन्हीं से वार्ता करे जो उसकी नज़र में गलत करने वालों के साथी हैं। तथापि कोई भी यह मानेगा कि एक समुदाय के कुछ लोगों का कट्टरवाद की ओर झुकाव, कश्मीर से कन्याकुमारी तक, भारतीय जीवन का एक कटु तथ्य है और इससे बने वोटों के ध्रुवीकरण ने केवल मौजूदा सत्तासीन दल को ही फायदा पहुंचाया है, इसलिए यह भारतीय समाज, अल्पसंख्यक बुद्धिजीवियों के लिए भी, सबसे बेहतर होगा कि सबसे बड़े वर्ग के अधिकारों को ध्यान में रखकर संवाद का विचार करें। चुनावी महत्व से परे, सामाजिक पहलू से, यदि सभी समुदाय आपसी सहमति बनाकर अपनी-अपनी प्रतिगामी प्रथाओं में कमी लाएं तो 'दूसरों' के रीति-रिवाजों और धार्मिक मान्यताओं के प्रति असहिष्णुता काफी हद तक शांत हो जाती है। आस्था और धर्म परिवर्तन का सार्वजनिक प्रदर्शन करना दो ऐसे विषय हैं जिन पर टकराव के बिंदु कम करने लिए राष्ट्रीय विमर्श होना चाहिए। अपने धर्म को बढ़िया ठहराना और दूसरों को उनके अनुष्ठानों के आधार पर या धर्म परिवर्तन करवाने वाला कहकर बदनाम करने कुछ हासिल नहीं होगा। दुर्भाग्यवश, इस बार राम नवमी की छवि मनमोहक मुस्कान वाली नहीं रही। ऐसे में, विध्वंस की बजाय वार्ता करें।

लेखक प्रधान संपादक हैं।

रूस से निर्बाध आपूर्ति भारत के हित में

रक्षा प्रणाली एस-400/ लक्ष्मी शंकर यादव

रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बीच उसने भारत को सतह से हवा में मार करने वाली दूसरी अत्याधुनिक मिसाइल रक्षा प्रणाली एस-400 ट्रायम्फ की आपूर्ति शुरू कर दी है। गौरतलब है कि यह आपूर्ति तय समय से पहले की गई है। इस महीने के अंत तक इस प्रणाली के सभी उपकरणों की आपूर्ति रूस द्वारा कर दी जाएगी। पूरे उपकरणों के मिलने के बाद इसकी तैनाती कर दी जाएगी। एस-400 ट्रायम्फ की दूसरी मिसाइल रक्षा प्रणाली की प्रशिक्षण स्क्वाड्रन है। इसमें केवल सिमुलेटर और प्रशिक्षण से संबंधित कुछ अन्य उपकरण ही शामिल हैं। इसमें मिसाइल या लांचर जैसे उपकरण नहीं हैं। रूस की तरफ से इस रक्षा प्रणाली के सभी उपकरणों की आपूर्ति जारी रहेगी। अभी तक इसमें कोई बाधा नहीं आई है। हालांकि, भविष्य में इसकी आपूर्ति जारी रखने को लेकर कुछ चिंताएं जरूर हैं क्योंकि रूस पर लगे प्रतिबंधों के कारण भारत रूसी कंपनियों को भुगतान नहीं कर पा रहा है। अभी रूस से जो उपकरण मिले हैं उनमें मरम्मत किए गए लड़ाकू विमानों के इंजन और पुर्जे भी शामिल हैं। इसके साथ ही एस-400 मिसाइल प्रणाली की पहली स्क्वाड्रन के आखिरी उपकरण भी शामिल हैं। इस मिसाइल रक्षा प्रणाली के मिलने से भारत की पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। रूस ने यूक्रेन युद्ध के बावजूद हथियारों की आपूर्ति पर कोई असर न पड़ने देने का भारत से वादा किया है। मिसाइल रक्षा प्रणाली की तरह भारतीय नौसेना को तलवार श्रेणी के दो स्टील्थ फ्रिगेट तय समय पर देने का भरोसा दिलाया है। उल्लेखनीय है कि स्टील्थ फ्रिगेट राडार की पकड़ में न आने वाला युद्धपोत हैं। भारत और रूस के बीच वर्ष 2016 में चार स्टील्थ फ्रिगेट की खरीद का सौदा हुआ था। एक अरब डॉलर के इस समझौते में यह निश्चित हुआ था कि दो स्टील्थ फ्रिग्रेट रूस में बनाए जाएंगे और बाकी दो का निर्माण तकनीक हस्तांतरण के बाद गोवा शिपयार्ड में किया जाएगा। रूस में बनने वाले दोनों फ्रिगेट साल 2022 के अंत तक भारत को मिलने वाले थे लेकिन कोरोना महामारी के कारण इनके निर्माण में देरी हो गई। अब पहला फ्रिगेट 2023 के मध्य में भारतीय नौसेना को सौंपा जाएगा। गोवा में बनने वाले दोनों पोतों में से पहला 2026 में बनकर तैयार हो जाएगा। भारत से पहले यह डिफेंस सिस्टम चीन और तुर्की की सेना में शामिल हो चुका है। यही नहीं, चीन ने तो तनाव को देखते हुए लद्दाख सीमा क्षेत्र में इसे तिब्बत में तैनात भी कर रखा है। एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल हथियार नहीं बल्कि महाबली है। यह आसमान से घात लगाकर आने वाले हमलावर हथियार को पल भर में राख में बदल देता है। इसके सामने दुनिया का सबसे तेज उड़ने वाला खतरनाक फाइटर जेट एफ-35 भी दुम दबाकर भाग जाता है। अमेरिका द्वारा दी जा रही पाबंदियों की धमकियों के बावजूद रूस ने पहले ही भारत को आश्वस्त कर दिया था कि उसे एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति तय समय पर कर दी जाएगी। इस सौदे को निश्चित समय सीमा के अंदर पूरा करने के लिए रूस प्रतिबद्ध है। विदित हो कि भारत ने वर्ष 2018 में एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की पांच इकाइयों को खरीदने के लिए रूस से पांच अरब डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। 'एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम' को ऑपरेट करने का प्रशिक्षण भी भारतीय सशस्त्र सेनाओं के दल को रूस द्वारा दिया जा चुका है। रूस द्वारा एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति भारत को ऐसे वक्त शुरू की गई है जब तुर्की द्वारा की गई एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद को लेकर अमेरिका उससे काफी नाराज है। अमेरिका के रुख में यह तल्खी भारत द्वारा रूस से की जा रही एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद को लेकर भी बनी हुई है। लम्बी दूरी की मिसाइलों से लैस इस सिस्टम प्रणाली के जरिए 400 किलोमीटर की दूरी तक उड़ते हुए विमानों, मिसाइलों, छुपे हुए विमानों व ड्रोन आदि तक किसी भी लक्ष्य को निशाना बनाया जा सकता है। इस एयर डिफेन्स सिस्टम की मदद से बैलिस्टिक मिसाइलों और हाइपरसोनिक लक्ष्यों को भी भेदा जा सकता है। राडार की पकड़ में न आने वाले लड़ाकू विमान भी मार गिराए जा सकते हैं। एस-400 सुपरसोनिक एयर डिफेन्स सिस्टम में सुपरसोनिक एवं हाईपरसोनिक मिसाइलें होती हैं जो लक्ष्य को निशाना बनाने में अचूक होती हैं। इस सिस्टम की गिनती दुनिया के आधुनिकतम एंटी एयरक्राफ्ट हथियारों में होती है। एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम नई पीढ़ी का एंटी मिसाइल और एंटी एयर क्राफ्ट हथियार है जिसे रूस के अलमाज सेन्टल डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। इनमें 400 किलोमीटर की अधिकतम दूरी तक मार करने के लिए 40-एम-6, लम्बी दूरी तक मार करने के लिए 48-एन-6 और मध्यम दूरी तक मार करने के लिए 9-एम-96 मिसाइलों का इस्तेमाल किया जाता है। अपनी तरफ आने वाली शत्रु की मिसाइल को मार गिराने में सक्षम सबसे लम्बी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल की गति 4800 मील यानी कि 17000 किलोमीटर है। यह प्रणाली एक साथ 36 लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। रूस का यह एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम अमेरिका के मिसाइल सिस्टम पैट्रियाट-3 को भी टक्कर देने वाला है।

आज के कार्टून

आध्यात्मिक मार्ग

सद्गुरु/ आप आध्यात्मिक मार्ग पर होते हैं, तो कहते हैं, 'मुझे अपनी अंतिम मंजिल पर पहुंचने की जल्दी है'। अब आप 100 जन्म नहीं चाहते। और अगर आप को और सौ जन्म लेने पड़े तो आप इतने कर्म बंधन बना लेंगे कि वो अगले हजार जन्मों तक चलेंगे। लेकिन आप इस सब को खत्म करना चाहते हैं तो जब आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू होती है, अगर आप को खास ढंग से दीक्षित किया जाए तो ऐसे आयाम खुल जाते हैं, जो इसके बिना न खुलते। कुछ साल पहले मैं जर्मनी में था और कार्यक्रम पूरा होने के बाद मुझे फ्रांस जाना था, जो 440 किमी. दूर था। मैं जहां पर था, वहां से सामान्य रूप से 5 घंटे की यात्रा थी। मैं रास्ते पर 5 घंटे बिताना नहीं चाहता था, इसलिए मैंने कार की गति काफी बढ़ा दी और हम लगभग 200 किमी. प्रति घंटे की गति पर चल रहे थे। उस भाग में ग्रामीण क्षेत्र बहुत सुंदर था और मैंने सोचा था कि मैं उसे देखने का आनंद लूंगा। पर जब भी मैं आंखें घुमाता था, तो सब कुछ धुंधला दिखता था और मैं रास्ते पर से एक क्षण से ज्यादा नजर हटा नहीं सकता था। बर्फ गिर रही थी और हम बहुत तेज गति से जा रहे थे। तो जब आप तेज गति से जाते हैं, तब सब कुछ धुंधला दिखता है, और आप जो कर रहे हैं, उस पर से दृष्टि नहीं हटा सकते। अगर आप को ग्रामीण दृश्यों का आनंद लेना है, तो आराम से और धीरे धीरे जाना होगा। पर यदि आप अपनी मंजिल पर पहुंचने की जल्दी में हैं, तो आप को गति बढ़ानी होगी और आप कुछ भी देख नहीं पाएंगे, आप बस जा रहे होंगे। आध्यात्मिक मार्ग भी ऐसा ही है। अगर आप आध्यात्मिक मार्ग पर हैं, तो आप के चारों ओर सब कुछ गड़बड़ होगा, उल्टा-सीधा होगा लेकिन आप फिर भी गतिमान रहते हैं, तो यह ठीक है। क्या यह ठीक है? अगर ठीक नहीं है, तो आप आराम से मानवीय विकास दर पर चल सकते हैं, पर तब शायद आप को वहां पहुंचने में लाखों साल लग जाएं। उनके लिए, जो जल्दी में हैं, एक प्रकार का मार्ग होता है, और जो जल्दी में नहीं हैं, उनके लिए अलग ढंग का मार्ग है। आपको स्पष्ट होना चाहिए कि आप आखिर, चाहते क्या हैं? आप अगर तेज गति के मार्ग पर हैं पर धीरे चलते हैं, तो आप गाड़ी के नीचे आ जाएंगे। यदि आप धीमी गति के मार्ग पर हैं पर तेज चल रहे हैं, तो आप का चालान हो जाएगा। इसलिए प्रत्येक जिज्ञासु को यह तय कर लेना होगा-वह बस मार्ग का आनंद लेना चाहता है, या मंजिल पर जल्दी पहुंचना चाहता है?

सू-दोकू नवताल -2103

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

सू-दोकू 2102 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2103

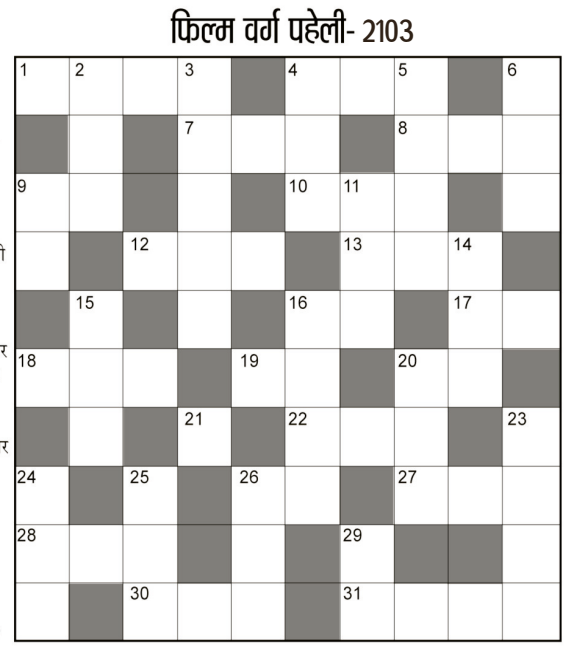

बायें से दायें:-

1. राजेश खन्ना, शर्मिला अभिनीत फिल्म-4
4. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीतवाली संजयदत्त, पूजाभट्ट की फिल्म-3
7. मिथुन चक्रवर्ती, रंभा, मधु की 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-3
8. अमिताभ बच्चन, अमजद खान, नीतू सिंह की फिल्म-3
9. अनिल कपूर, जैकी, शत्रुघ्न सिन्हा, टीना मुनीम, हेमा अभिनीत फिल्म-2
10. 'तुझसे नाराज नहीं जिंदगी' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, शबाना की फिल्म-3
12. अक्षय कुमार, शांतिप्रिया की 'लैला को भूल जायेंगे' गीत वाली फिल्म-3
13. 'अंखियां मिला के जिया भरमा के' गीत वाली फिल्म-3
16. डिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-2
17. अजय देवगन, पूजा भट्ट, सोनाली की फिल्म-2
18. 'भीगे होंठ तेरे' गीत वाली फिल्म-3
19. 'छम से वो आ जाये' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक, जायेद खान, एशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
20. नसीरुद्दीन शाह, पूजा भट्ट, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-2
21. रणदीप हूडा, सुशांत सिंह, यशपाल, रुखसार, इशा कोप्पिकर की 'खुद को मार डाला' गीत वाली फिल्म-1
22. शशि कपूर, राखी (डबल रोल) की फिल्म-3
26. सुनील शेट्टी, अंजली जठार की 'वादे न हों कसमें न हों' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
28. 'छू लेने दो नाजुक होठों को' गीत वाली फिल्म-3
30. 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली प्रशांत, संध्या की फिल्म-3
31. अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, करण कपूर, कैटरीना कैफ, तनीषा, रुखसार की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

2. 'भूली बिसरी यादों में' गीत वाली अमिताभ बच्चन, शर्मिला टैगोर, जॉन अब्राहम, अनुशा की फिल्म-3
3. अमोल पालेकर, विद्या सिन्हा की 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली फिल्म-5
4. कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-3
5. 'ऐतबार नहीं करना' गीत वाली फिल्म-4
6. 'हमने तुम को दिल ये दे दिया' गीत वाली डिनो मोरिया, बिपाशा बसु की फिल्म-3
9. अभिषेक बच्चन, विवेक, अजय देवगन, रानी, करीना, ईशा देओल की 'कभी नीम नीम कभी' गीत वाली फिल्म-2
11. 'देखो मेरा दिल मचल गया' गीत वाली राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-3
14. अभ्मित पटेल तथा पाकिस्तानी नायिका मीरा की 'आजा शोर मचाले शोर' गीत वाली फिल्म-3
15. भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-3
16. जैकी श्रॉफ मनीषा, दीप्ति भटनागर की 'तेरा चेहरा ना देखूं अगर' गीत वाली फिल्म-2,2
20. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म 'मेहंदी' के निर्माता-3
23. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
24. 'हमराही जब हो मस्ताना' गीत वाली अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित, नम्रता की फिल्म-3
25. शाहरुख खान, मनीषा, प्रीति जिंटा, शिल्पा शिरोडकर की 'तू ही तू सतरंगी रे' गीत वाली फिल्म-2,1
26. राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा, मिथुन, हेमा की 'शबनम का ये कतरा है' गीतवाली फिल्म-3
29. 'दीदार दे दीदार दे' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, जायेद खान, ईशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2102

कु	बां	न		जो	रू	का	गु	ला	म
ली		ज	ह	र		ला		श	क
	क	र	म		स	प	ने		ड़ी
द	स		तु	म		त्थ		भ	
	क	स	म		स	र	फ	रे	श
दि		च्चा		ह	त्या			सा	
ल	ड़ा	ई		की		दि	ल		शो
से			ब्लै	क	मै	ल		सु	र
	आ	ह		त		दा	मि	नी	
ध	न	वा	न		गै	र		ल	की

रुपया 76.55 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया शुरुआती गिरावट के बाद 76.55 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर स्थिर बना रहा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया गिरावट के साथ ही 76.69 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान एक समय रुपया 76.50 के उच्चतम स्तर तक जाने के बाद अंत में एक पैसे बढ़त लेकर पिछले बंद भाव 76.56 की तुलना में 76.55 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इसी बीच छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का आंकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 की बढ़त लेकर 102.58 पर कारोबार कर रहा था।

जीएम सोयाबीन मील के आयात की इजाजत न दें

नई दिल्ली । सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) ने मोदी सरकार से आनुवांशिक रूप से संशोधित सोयाबीन मील के आयात की अनुमति नहीं देने का आग्रह किया है। सोपा ने कहा कि ऐसा करने से किसानों और स्थानीय प्रसंस्करण करने वालों पर गलत प्रभाव होगा। सोपा के अध्यक्ष दावीश जैन ने कहा, भारत में सोयाबीन मील की उच्च कीमतों का हवाला देकर पॉल्ट्री उद्योग ने एक बार फिर सरकार से अनुरोध किया है कि उन्हें जीएम (आनुवांशिक रूप से संशोधित) सोयाबीन मील आयात करने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा, कुछ व्यापारियों और पॉल्ट्री उद्योग द्वारा जीएम सोयाबीन मील के आयात का सुझाव पूरी तरह से प्रतिकूल होगा।'' उन्होंने पशुपालन सचिव को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि पॉल्ट्री उद्योग 90 लाख टन सोयाबीन मील की मांग करता है, जो पूरी तरह गलत है और तथ्यों द्वारा समर्थित नहीं है। जैन ने कहा कि आयात के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए इस बढ़ी हुई मांग का दावा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में सोयाबीन मील के आयात का कोई औचित्य नहीं है। सोयाबीन और सोयाबीन मील की ऊंची कीमतें एक वास्तविकता है, जिसे स्वीकार करना चाहिए।

कृषि प्रौद्योगिकी स्टार्टअप 'पोषण' ने निवेशकों से 28।8 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । कृषि व्यापार मंच पोषण ने कारोबार के विस्तार और भविष्य की वृद्धि के लिए प्राइम वेंचर पार्टनर्स सहित विभिन्न निवेशकों से 28।8 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पोषण कृषि उत्पादों के क्रेता-विक्रेताओं को ऑनलाइन व्यापार की सुविधा उपलब्ध कराता है। इसके साथ ही यह वस्तुओं के थोक व्यापार को सुगम बनता है और जिंसों के थोक कारोबार के लिए कई तरह की सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी ने ई-कॉमर्स, आधुनिक व्यापार और सामान्य व्यापार में 100 से अधिक थोक विक्रेताओं के साथ भागीदारी की है। कंपनी ने एक बयान में कहा पोषण ने प्राइम वेंचर पार्टनर्स के नेतृत्व में शुरुआती वित्तपोषण के रूप में 28।8 करोड़ रुपए जुटाए हैं। वित्तपोषण के इस दौर में जेफायर पीकॉक ने भी भाग लिया। पोषण के सह-संस्थापक शशांक सिंह ने कहा, हम प्रसंस्कृत कृषि क्षेत्र के साथ-साथ थोक खरीद क्षेत्र में भी एक बड़ा अवसर देखते हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी होने से बाजार नीचे आया है। कारोबार के दौरान वित्तीय और आईटी गिरे हैं। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 537.22 अंक करीब 0.94 फीसदी नीचे आकर 56,819.39 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान एक समय यह 772.57 अंक तक खिसक गय था। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 162.40 अंक तकरीबन 0.94 फीसदी नीचे आकर 17,038.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, डॉ. रेड्डीज, विप्रो, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, मारुति सुजुकी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरे। वहीं इसके विपरीत टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक्नोलॉजीज , टीसीएस, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1,174.05 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे थे। उससे भी बाजार पर दबाव आया है।

एनटीपीसी डिबेंचर के द्वारा 1,500 करोड़ रुपये जुटाएगी

मुंबई । बिजली कंपनी एनटीपीसी निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी कर 1,500 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एनटीपीसी ने 29 अप्रैल, 2022 को 1,500 करोड़ रुपये का गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करने का निर्णय किया है। इस पर ब्याज 5.78 प्रतिशत सालाना होगा। इसकी परिपक्वता अवधि दो साल है। यानी यह 29 अप्रैल, 2024 को परिपक्व होगा। सूचना के अनुसार एनसीडी से प्राप्त राशि का उपयोग पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण, मौजूदा कर्ज को लौटाने और अन्य सामान्य कंपनी कार्यों में किया जाएगा। इस डिबेंचर के लिये कंपनी के शेयरधारकों ने 28 सितंबर, 2021 को मंजूरी दी थी।

2032 तक 2,000 अरब डॉलर तक पहुंचेगा भारत का खुदरा उद्योग

मुंबई । देश का खुदरा उद्योग क्षेत्र महामारी के प्रकोप से उबरने के बाद एक बार फिर से गति पकड़ने लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उद्योग का आकार 10 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ 2032 तक बढ़कर 2,000 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। बीसीजी-आरएआई की रिपोर्ट के अनुसार खाद्य और किराना, रेस्तरां और त्वरित सेवा रेस्टोरेंट (क्यूएसआर), तथा टिकाऊ उपभोक्ता सामान जैसे कुछ खंड कोविड से पहले के स्तर से उबर गए हैं, जबकि आभूषण, परिधान और फुटवियर जैसे खंड पूरी तरह से पुनरुद्धार की राह पर हैं। बीसीजी के प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ भागीदार अभीक सिंघी ने कहा भारतीय अर्थव्यवस्था को खपत से बढ़ावा मिल रहा है और हम देख रहे हैं कि कोविड महामारी के चलते दो साल के ठहराव के बाद खपत में वृद्धि सकारात्मक हो गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय खुदरा उद्योग का आकार अगले 10 वर्षों में लगभग 2,000 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। सिंघी के मुताबिक, अगले दशक में संगठित खुदरा विक्रेता ऑफलाइन और ऑनलाइन, जैसे सभी प्रारूपों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार भारत की खपत महामारी से पहले लगभग 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रही थी और महामारी के दौरान नकारात्मक क्षेत्र में चली गई थी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि अब खपत 17 प्रतिशत की दर से बढ़ने के साथ महामारी-पूर्व के स्तर को पार कर गई है।

चार मई को खुलेगा एलआईसी का आईपीओ, नौ मई तक बोली लगा सकेंगे खुदरा निवेशक

-पॉलिसीधारकों को हर शेयर पर 60 रुपए, कंपनी के कर्मचारियों को मिलेगा 40 रुपए डिस्काउंट

नई दिल्ली । दो साल से चर्चा में रहने के बाद आखिरकार एलआईसी आईपीओ जारी करने की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार दोपहर करीब 12।30 बजे एक प्रेस कॉफ्रेंस में इसकी विधिवत घोषणा कर दी। पांडेय ने बताया कि खुदरा निवेशकों के लिए एलआईसी का आईपीओ 4 मई को खुलेगा और 9 मई तक वे बोली लगा सकेंगे। इस छह दिन के 'उत्सव' के दौरान कंपनी में 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी। इस विनिवेश के जरिए सरकार को करीब 20,557 करोड़ रुपए जुटाने का अनुमान है। कंपनी के पॉलिसीधारकों को आईपीओ में बोली लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और उन्हें प्रति शेयर 60 रुपए की छूट दी जाएगी। कंपनी कर्मचारियों को भी आईपीओ में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और उन्हें प्रति शेयर 40 रुपए की छूट मिलेगी। इतना ही नहीं खुदरा निवेशकों को भी 40 रुपए का बड़ा डिस्काउंट दिया जा रहा है। दीपम सचिव ने कहा कि आईपीओ की कीमत 902-949 रुपए प्रति शेयर रखी गई है। यह कीमत एंकर निवेशकों के लिए होगी, जबकि कंपनी के कर्मचारियों, पॉलिसीधारकों और खुदरा निवेशकों को 40-60 रुपए प्रति शेयर की छूट मिलेगी। खुदरा निवेशकों के लिए आईपीओ खोलने से पहले एंकर इंवेस्टर्स को मौका दिया जाएगा। उनके लिए आईपीओ में बोली लगाने की शुरुआत 2 मई को ही कर दी जाएगी। तुहिन कांत पांडेय ने बताया कि सरकार ने मौके की नजाकत को देखते हुए आईपीओ का साइज घटा दिया है। पहले कंपनी की 5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी थी, लेकिन शेयर बाजार के मौजूदा माहौल को देखते हुए इसमें डेढ़ 5 फीसदी की कटौती कर दी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थितियों के हिसाब से आईपीओ का यह सबसे उपयुक्त साइज है। लांग टर्म में निवेशकों को इस आईपीओ से काफी लाभ मिलने वाला है। कांत ने बताया कि आईपीओ के जरिए बाजार में शेयरों को लॉट के रूप में उतारा जाएगा। एक लॉट में 15 शेयर होंगे और अगर किसी को इसमें दांव लगाना है तो उसे पूरा लॉट अकेले या मिलकर खरीदना होगा। इसका मतलब है कि खुदरा निवेशक को कम से कम 15 शेयर खरीदने होंगे। अगर प्राइस बैंड के हिसाब से देखें तो एक लॉट का मूल्य करीब 14,235 रुपए होगा। हालांकि, यह कीमत उन निवेशकों के लिए है, जिन्हें किसी तरह का डिस्काउंट नहीं दिया जा रहा है।

एयर इंडिया ने एयरएशिया इंडिया के सौदे का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली ।

टाटा के स्वामित्व वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया ने किफायती विमानन सेवा एयरएशिया इंडिया के सौदे का प्रस्ताव रखा है और इस प्रस्तावित सौदे के लिए प्रतिस्पर्धा आयोग से मंजूरी मांगी है। एयरएशिया में 83.67 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पास है और बाकी हिस्सेदारी एयरएशिया इंवेस्टमेंट लिमिटेड (एएआईएल) के पास है, जो मलेशिया के एयरएशिया समूह का हिस्सा है। एयर इंडिया और इसकी सहायक इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस को पिछले साल टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड ने अधिग्रहित किया था।

इसके अलावा टाटा सिंगापुर एयरलाइंस के साथ संयुक्त उद्यम में एक पूर्ण विमानन सेवा विस्तार का संचालन भी करती है। टाटा समूह का ताजा फैसला अपने विमानन कारोबार को मजबूत करने के प्रयासों का एक हिस्सा है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के पास दायर एक नोटिस में कहा गया है कि प्रस्तावित संयोजन एयर इंडिया लिमिटेड (एआईएल) द्वारा एयरएशिया (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड की संपूर्ण इक्विटी शेयर पूंजी के अधिग्रहण से संबंधित है। एक निश्चित सीमा से अधिक हिस्सेदारी के सौदों के लिए सीसीआई की मंजूरी जरूरी है। एयरएशिया इंडिया ने जून 2014 में उड़ान भरना शुरू किया था और कंपनी देश में अनुसूचित हवाई यात्री परिवहन, एयर कार्गो परिवहन और चार्टर उड़ान सेवाएं मुहैया कराती है। कंपनी किसी भी अंतरराष्ट्रीय उड़ान का संचालन नहीं करती है। नोटिस में कहा गया है कि प्रस्तावित संयोजन से प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में कोई बदलाव नहीं होगा या भारत में प्रतिस्पर्धा पर कोई उल्लेखनीय प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मारुति सुजुकी ने इंडियन बैंक से की साझेदारी

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने ग्राहकों को कार लोन उपलब्ध कराने के लिए इंडियन बैंक से समझौता किया है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि इस साझेदारी के तहत उसके ग्राहक महानगर, शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इंडियन बैंक की 5,700 से अधिक शाखाओं से कर्ज ले सकते हैं। इस विशेष योजना के तहत मारुति सुजुकी के ग्राहक कार की ऑन-रोड कीमत का 90 प्रतिशत तक कर्ज हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा योजना के तहत शून्य प्रसंस्करण शुल्क, 30 लाख रुपए तक का मुफ्त दुर्घटना बीमा कवर, मुफ्त फास्टैग और 84 महीने तक की पुनर्भुगतान अवधि का लाभ मिल सकता है। योजना का लाभ 30 जून तक` लिया जा सकता है।

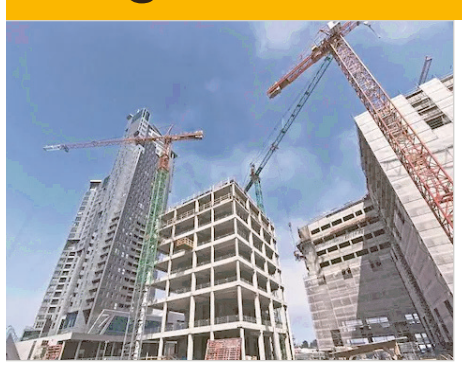

मैक्रोटेक डेवलपर्स को चालू वित्त वर्ष में बिक्री बुकिंग में 27 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली ।

रियल्टी फर्म मैक्रोटेक डेवलपर्स ने चालू वित्त वर्ष के दौरान अपनी बिक्री बुकिंग में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद जताई है। इस लिहाज से कंपनी की बिक्री बुकिंग का आंकड़ा 11,500 करोड़ रुपए पर पहुंच सकता है। मैक्रोटेक डेवलपर्स के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि बेहतर मांग की संभावना और मजबूत पाइपलाइन के साथ कंपनी अपनी बिक्री बुकिंग बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। कंपनी ने पिछले वर्ष अपने आरंभिक सार्वजानिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 2,500 करोड़ रुपए जुटाकर सूचीबद्ध हुई थी। कंपनी अपने उत्पादों का विपणन लोढ़ा ब्रांड नाम से करती है। मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अभिषेक लोढ़ा ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 11,500 करोड़ की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि हमें पिछले वित्त वर्ष 9,000 करोड़ की बिक्री बुकिंग मिली थी। पिछले साल अप्रैल-मई में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बावजूद हमने 9,024 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की। उन्होंने कहा कि 11,500 करोड़ रुपए में से 10,500 करोड़ रुपए आवासीय श्रेणी और शेष वाणिज्यिक इकाइयों की बिक्री के जरिए मिलने की उम्मीद है। सीईओ ने कहा कि आवास ऋण पर कम ब्याज दरों और अपना खुद का घर खरीदने की बढ़ती धारणा के बीच मांग के मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

कू एप ने ब्राउज़िंग का एक बेहतरीन अनुभव पेश किया

नई दिल्ली।

क्रिएटर्स को ज्यादा अहमियत और तेजी देने के लिए बहुभाषी माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म कू एप ने आईओएस और एंड्रॉयड दोनों डिवाइसों पर अपने यूजर्स के लिए ब्राउज़िंग का एक बेहतरीन अनुभव पेश किया है। देखने में आकर्षक, सहज और बेहतर जुड़ाव वाली इस नई डिज़ाइन को यूजर्स का विशेष ध्यान रखकर तैयार किया गया है। अपने पिछले वर्जन की तुलना में यह एक महत्वपूर्ण अपग्रेड है, जिसमें नया इंटरफेस सहजता के साथ नेविगेशन आसान कर देता है। यह यूजर्स को एक बेहतरीन और समकालीन अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। और इस प्लेटफॉर्म को सोशल मीडिया की दुनिया में एक बेहतर विचारों वाले विशेषज्ञ के रूप में स्थान देता है। कू ऐप का नया ब्राउज़िंग अनुभव समूचे यूजर इंटरफेस को बेहतर बनाता है। ऐप के बाएं खाली स्थान को हटा दिया गया है, जिससे कंटेंट अब एक किनारे से दूसरे किनारे तक फैल गया है और इसके चलते यूजर्स के लिए जरूरी जानकारी को देखना आसान हो गया है। यह बेवजह के कंटेंट को भी कम करता है, जिससे ऐप साफ-सुथरा दिखता है। यूजर्स का अनुभव कहीं अधिक सहज और बिना रुकावट वाला होता है। यह अनुभव इस्तेमाल को सबसे ज्यादा बढ़ाने और ऐप पर यूजर्स द्वारा बिताए जाने वाले समय पर केंद्रित है। कू एप भारत में देसी भाषाओं में आत्म-अभिव्यक्ति के लिए सबसे बड़ा मंच है। यह वर्तमान में यूजर्स को हिंदी, मराठी, गुजराती, कन्नड़, तमिल, बंगाली, असमिया, तेलुगू, पंजाबी और अंग्रेजी में अपने विचार और राय पेश करने का अधिकार देता है। प्लेटफ़ॉर्म मार्ट फीचर्स को लांच करने के लिए लगातार काम करता है जो यूजर्स के अनुभव को बेहतर करते हैं और प्लेटफ़ॉर्म पर आनंद बढ़ाते हैं। डार्क मोड, टॉक-टू-टाइप, चैट रूम, लाइव कुछ प्रमुख फीचर्स हैं जिन्हें हाल ही में लांच किया गया था।

2021-22 में एक लाख करोड़ रुपए का किया गया तैयार इस्पात का निर्यात : कुलस्ते

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने बताया कि बीते वित्त वर्ष में देश से 1.35 करोड़ टन तैयार इस्पात का निर्यात किया गया। मूल्य के हिसाब से यह एक लाख करोड़ रुपये का रहा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 में इस्पात निर्यात 1.07 करोड़ टन किया गया था। मेटालॉजिक पीएमएस की तरफ से स्टील और इंजीनियरिंग निर्यात पर आयोजित कार्यक्रम में इस्पात मंत्री कुलस्ते कहा, देश ने 2021-22 के दौरान एक लाख करोड़ रुपए मूल्य का 1.35 करोड़ टन इस्पात का निर्यात किया गया। जबकि 46,000 करोड़ रुपए के इस्पात का आयात किया गया।

उन्होंने कहा भारत से वस्तुओं का निर्यात का मूल्य 420 अरब डॉलर रहा। कुलस्ते ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में देश में इस्पात की खपत अबतक के उच्चस्तर करीब 10.6 करोड़ टन पर पहुंच गया। जबकि देश ने रिकॉर्ड 12 करोड़ टन इस्पात का उत्पादन किया। क्षेत्र की सालाना वृद्धि दर औसतन पांच से छह प्रतिशत है। मंत्री ने कहा कोविड-19 के कारण उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद व्यापार, उत्पादन और खपत के मामले में इस्पात क्षेत्र का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सभी क्षेत्रों में इस्पात क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता है।

वाणिज्यिक परिवहन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए टीवीएस मोटर और रैपिडो ने किया करार

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहन कंपनी टीवीएस मोटर ने आपसी हित और वाणिज्यिक परिवहन के क्षेत्र में सहयोग के लिए बाइक-टैक्सी मंच रैपिडो के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि दोनों कंपनियां परिवहन व्यवस्था और निर्बाध प्रौद्योगिकी मंच में अपने मजबूत पक्ष को एक साथ लाएंगी। समझौते के तहत कंपनियां दोपहिया और तिपहिया वाहनों दोनों को शामिल करेंगी। इसके साथ ही पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहन (आईसीई) और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंडों में विस्तार करेंगी। टीवीएस मोटर कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने कहा रैपिडो ने %कैप्टन्स% और %राइडर्स% का एक मजबूत उपयोगकर्ता आधार बनाया है और आज वह भारत में अग्रणी बाइक-टैक्सी मंच है। हमें विश्वास है कि इस करार से हम टीवीएस इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो से उच्च गुणवत्ता वाले, कनेक्टेड उत्पादों और हमारे समूह से वित्तपोषण का उपयोग करके गतिशीलता और उच्च-सार्वजनिक खंड में अपनी पहुंच का विस्तार कर सकेंगे।

रैपिडो के सह-संस्थापक अरविंद सांक ने कहा यह गठजोड़ हमें अपनी क्षमताओं को मजबूत करने और हमारे इलेक्ट्रिक बाइक बेड़े का विस्तार करने में मदद करेगी। हमारा उद्देश्य लाखों भारतीयों को परिवहन के एक किफायती, आरामदायक, सुविधाजनक और सुरक्षित वैकल्पिक साधन के माध्यम से यात्रा करने में मदद करना है। कंपनी ने कहा कि उसका लक्ष्य भारत के सभी प्रमुख शहरों में टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर की उपस्थिति का विस्तार करना है।

बटलर का बेहतर प्रदर्शन जारी रहेगा - पीटरसन

मुंबई । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अब तक शानदार बल्लेबाजी करने वाले राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज जोस बटलर का अच्छा प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा। पीटरसन का कहना है कि बटलर अभी अच्छी लय में चल रहे हैं और जिस प्रकार उन्होंने सात मैच में तीन शतक लगाये हैं , उससे यह बात साबित होती है। पीटरसन ने कहा, 'इस प्रकार की पारियों से ही आईपीएल शानदार हुआ है। दर्शकों को यह पसंद है, हमें यह पसंद है, स्टूडियो में सभी लोगों को यह पसंद है। मेरे कहने का अर्थ यह है कि उसने कुछ ऐसे शॉट खेले जो आपको देखने को नहीं मिलेंगे। आप इस तरह के शॉट का अभ्यास नहीं कर सकते हैं।' इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'यह शॉट या तो आपके पास होंगे या फिर नहीं होंगे। जब बटलर इस तरह बल्लेबाजी करते हैं तो आप केवल इतना बोल पाते हो कि वह कितने शानदार हैं। बटलर समय लेते हैं और फिर उसका लाभ उठाते हैं।' दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बटलर ने 65 गेंद में 116 रन बनाये और इस दौरान 9 छक्के और इतने ही चौके लगाये। पीटरसन ने कहा, 'जोस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी की और मुझे भरोसा है कि वह ऐसी बल्लेबाजी आगे भी जारी रखेगा क्योंकि जब आप टूर्नामेंट में इस तरह की फॉर्म में होते हो तो आप बल्लेबाजी करते चले जाते हो, विशेषकर जब विकेट अच्छे होते हैं।'

केकेआर के खिलाफ जीत के साथ ही लय हासिल करने उतरेगी कैपिटल्स

मुंबई।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम गुरुवार को आईपीएल के लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ ही लय हासिल करने के इरादे से उतरेगी। दिल्ली को पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर उसे इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो उस हार से उबरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का पृथकवास पूरा हो गया है और वह इस मैच के लिए टीम से जुड़ गये हैं। इससे भी टीम को लाभ होगा। कोच को उम्मीद है कि उनकी टीम समय के साथ ही लय हासिल कर लेगी। कैपिटल्स ने अब तक खेले सात मैचों में से तीन में जीत हासिल करने के साथ ही अंकतालिका में सातवां स्थान हासिल किया है। वहीं केकेआर को अपने पिछले चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और वह दिल्ली कैपिटल्स से एक स्थान पीछे सातवे नंबर पर है। ऐसे में इस मैच में कैपिटल्स जीत की प्रबल दावेदार नजर आ रही है।

दिल्ली के पास बल्लेबाजी में डेविड वार्नर के अलावा पृथ्वी शॉ, ऋषभ पंत और रोवमैन पॉवेल जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं पर उसके बल्लेबाजों को केकेआर के गेंदबाजों से सावधान रहना होगा। वार्नर पिछले मैच में विफल रहे थे और ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इसके अलावा पृथ्वी भी अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने का प्रयास करेंगे।

कप्तान ऋषभ पंत को भी अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। अब तक वह कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। ऑलराउंडर ललित यादव, शार्दुल ठाकुर और अक्षर पटेल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ऋषभ अभी तक अपनी प्रतिभा के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं हालांकि वह एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जो कभी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। पॉवेल ने पिछले मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और वह इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगे। गेंदबाजी की बात करें तो दिल्ली के गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है हालांकि पिछले मैच में वे प्रभावशाली नहीं रहे थे। खलील अहमद के अलावा मुस्ताफिजुर रहमान भी विरोधी टीम पर अंकुश लगा सकते हैं।

स्पिनर कुलदीप यादव भी अच्छे फार्म में हैं जिसे वह बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं अन्य स्पिनर अक्षर और ललित ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में इनके ओवर अहम रहेंगे। वहीं दूसरी ओर केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर को इस मैच सही संयोजन रखना होगा। बल्लेबाजी में कप्तान श्रेयस अय्यर , आरोन फिंच और नीतीश राणा से टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम को यदि जीत दिलानी है तो श्रेयस को बड़ी पारी खेलनी होगी।

श्रेयस, नीतीश राणा, रिंकू सिंह और वेंकटेश अय्यर को दिल्ली के गेंदबाजों से सतर्क रहना होगा। केकेआर के पास अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव और टिम साउदी हैं जो इस मैच मैच में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के साथ मिलकर दिल्ली के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं।

साइना एशियाई बैडमिंटन चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में पहुंची

लक्ष्य और प्रणीत हारे

मनीला ।

भारत की अनुभवी खिलाड़ी विजेता साइना नेहवाल यहां एशियाई बैडमिंटन चैम्पियनशिप में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं पर भारत के ही लक्ष्य सेन और बी साई प्रणीत हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। साइना ने महिला एकल में दक्षिण कोरिया की सिम यूजिन को 21-15 17-21 21-13 से हराया। वहीं विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता लक्ष्य को पुरुष एकल में चीन के गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी ली शी फेंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। पांचवें वरीयता प्राप्त लक्ष्य को करीब एक घंटे तक चले मुकाबले में फेंग ने 21-12 10-21 19-21 से हराया। एक अन्य मुकाबले में भारत के ही प्रणीत को भी पुरुष एकल मुकाबले में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी ने सीधे गेम में 17-21 13-21 से हराया। इसके अलावा महिला युगल में अश्विनी भट , शिखा गौतम तथा सिमरन सिंघी व रितिका ठाकर की महिला युगल जोड़ी भी सीधे गेम में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। अश्विनी और शिखा को अना चिंग यिक चियोंग और तियोह मेइ शिंग की मलेशिया जोड़ी ने 19-21 12-21 से हराया। एक अन्य मुकाबले में सिमरन और रितिका को पियरी टेन और मुरलीथरन थिन्नाह की मलेशिया की सातवीं वरीय जोड़ी के हाथों 15-21 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

विंबलडन में खेल सकते हैं जोकोविच, टीकाकरण की जरूरत नहीं

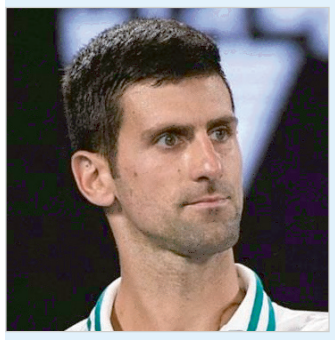

लंदन । विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को कोविड-19 का टीका नहीं लगाने के बावजूद विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने का मौका दिया जाएगा क्योंकि ब्रिटेन में प्रवेश करने के लिए टीकाकरण आवश्यक नहीं है। ऑल इंग्लैंड क्लब के मुख्य कार्यकारी सैली बोल्टन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सर्बिया के रहने वाले 34 वर्षीय जोकोविच को टीकाकरण नहीं करने के कारण इस साल जनवरी में आस्ट्रेलिया से बाहर कर दिया गया था और वह आस्ट्रेलियाई ओपन में भाग नहीं ले पाये थे। विंबडलन 27 जून से शुरू होगा। जोकोविच आस्ट्रेलियाई ओपन में अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाये थे तथा 11 दिन तक चले कानूनी घटनाक्रम के बाद उन्हें देश छोड़ना पड़ा था। वह इसके बाद वह इंडियन वेल्स और मियामी जैसे टूर्नामेंट में भी नहीं खेल पाये थे क्योंकि किसी भी ऐसे विदेशी नागरिक को अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं है जिसने टीकाकरण नहीं करवाया हो। अमेरिकी टेनिस संघ ने कहा कि वह अगस्त के आखिर में शुरू होने वाले यूएस ओपन के लिये कोविड-19 टीकाकरण से जुड़े सरकारी नियमों का पालन करेगा।

जीत के लिए सहज होकर प्रयास करना होगा : पोंटिंग

मुंबई ।

दिल्ली कैपिटल्स टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उनकी टीम एक बार फिर जीत की लय हासिल करने के लिए मैदान पर उतरेगी। पोंटिंग के अनुसार कैपिटल्स टीम को जीत के लिए सहज होकर थोड़ा और प्रयास करना होगा क्योंकि अब तक उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है। दिल्ली की टीम अब तक आईपीएल के इस 15 वें सत्र के सात मैचों में तीन जीत के साथ ही अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

पोंटिंग ने कहा, 'हमारी टीम एक दो ओवरों में जो ढ़ील दे देती है उसी का खामियाजा उसे भुगतना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'हमारी यही कमजोरी मैच में अंतर पैदा कर रही है। हम सत्र के पहले चरण के परिणामों को बदलने के लिए अपने को तैयार कर रहे हैं बल्कि आगे बढ़ने के राह बनाने की कोशिश में भी लगे हैं। हमारा सफर अब तक कभी जीत, कभी हार और फिर जीत रहा है। इसलिए हमें थोड़ी सी लय हासिल करने की जरूरत है।'

पोंटिंग ने कहा कि खिलाड़ियों को दूसरे चरण में सहज होकर खेलना होगा क्योंकि उनकी टीम अच्छी है और वह अनुकूल परिणाम हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि हम चीजों का रुख अपनी ओर मोड़ने के बहुत करीब हैं। हम सभी को भरोसा करना है, हमें विश्वास करना है, हमें उत्साहित रहना है और सकारात्मक बने रहना है। अगर हम ऐसा करने में सफल रहे, तो निश्चित रूप से जीत हमें मिलेगी।'

पोंटिंग ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गुरुवार को होने वाले मैच से पहले कहा, 'हम यहां से जितने कड़े प्रयास करेंगे, उतना ही आगे बढ़ेंगे। हमें सहज होकर आगे बढ़ना है। हम जो कुछ अच्छा कर रहे हैं यदि उन्हें दोहराते रहे तो हमें सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिये हमारी टीम बहुत अच्छी है।' अपने परिवार के एक सदस्य के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद पोंटिंग को पिछले पांच दिन पृथकवास में रहना पड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

रियान ने गिलक्रिस्ट और कैलिस के विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया

मुम्बई । रियान पराग के शानदार प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हराकर अपनी छठी जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही रॉयल्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। रियान ने इस मैच में अर्धशतक लगाने के साथ ही कुल 4 कैच पकड़कर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। . रियान आईपीएल के किसी एक मैच में 50 से ज्यादा रनों के साथ ही 4 कैच पकड़कर जैक कैलिस और एडम गिलक्रिस्ट जैसे खिलाड़ियों के एक विशेष क्लब में शामिल हो गए है। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर कैलिस ने आईपीएल में यह कारनामा साल 2011 में कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से खेलते हुए डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ मुकाबले में किया था। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई महान विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने साल 2012 में धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाया था। रियान ने 31 गेंदों पर 3 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 56 रन की पारी खेली।

सैमसन टीम इंडिया में वापसी के अवसर खो रहे : बिशप

मुंबई । वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के पास इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बेहतर प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी का दावा पेश करने का अवसर था पर वह इसमें विफल रहे हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन निरंतरता की कमी के कारण अब भी टीम इंडिया में जगह नहीं बना पाये हैं। बिशप ने कहा, 'जब प्रमुख बल्लेबाज जोस बटलर जल्दी आउट हो गये थे तब सैमसन के पास बड़ा स्कोर बनाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए अपना दावा पेश करने का अवसर था पर वह उसका उपयोग नहीं कर पाये। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने माना कि जब सैमसन लय में रहते हैं तो उनका खेल शानदार होता है पर वह अपने खेल में निरंतर बनाये नहीं रख पाते। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत की ओर से अंतिम बार टी20 मैच फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। बटलर आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच में जल्दी आउट हो गए थे और ऐसे में सैमसन के पास रन बनाकर अपने को साबित करने का अच्छा अवसर था। वह लय में भी दिख रहे थे पर 27 रन बनाने के बाद श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा की गेंद पर अपना संयम खो बैठे और रिवर्स स्वीप लगाकर आउट हो गये। बिशप ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि संजू फॉर्म में नहीं है पर वह आसानी से अपना विकेट खो रहे हैं। मैं सैमसन के खेल को पसंद करता हूं पर वह शॉट चयन के कारण अपनी अच्छी फॉर्म कायम नहीं रख पाते हैं।' वहीं न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी को लगता है कि सैमसन को बल्लेबाजी नजर आती है, ऐसे में वह कुछ अलग करने का प्रयास करते हुए एकसाथ ही बहुत सी चीजें आजमाने का प्रयास करते हुए अपना विकेट खो देते हैं।

विश्व चैंपियन दीपक शिंदे ने ऑल अराउंड इंडीविजुअल चैंपियनशिप मल्लखंब प्रदर्शन में भाग लिया

नई दिल्ली ।

मुंबई शहर का वर्णन अक्सर सपनों के शहर के रूप में किया जाता है। इसका कारण है इसका बॉलीवुड से जुड़ा होना और साथ में आने वाला ग्लैमर। खेल के संबंध में, सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गजों के कारण शहर को क्रिकेट से भी जोड़ा जाता है। लेकिन जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 में मल्लखंब अखाड़े में मुंबई शहर सुर्खियों में आ गया क्योंकि मुंबई विश्वविद्यालय के एथलीटों ने अपने सनसनीखेज प्रदर्शन से सभी को स्तब्ध कर दिया।

विश्व चैंपियन दीपक शिंदे ने सोमवार को लड़कों की ऑल-अराउंड इंडिविजुअल चैंपियनशिप मल्लखंब में भाग लिया, क्योंकि मुंबई विश्वविद्यालय के उनके साथियों ने उनकी जय-जयकार करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। दीपक ने पोल में 9.6, रोप में 8.7 और हैंगिंग में 9 के स्कोर के साथ कुल 27.30 का स्कोर किया और दिन के शीर्ष खिलाड़ी के रूप में उभरे। एम.कॉम के 25 वर्षीय छात्र ने अपने शानदार प्रदर्शन के बाद कहा, आज, मेरे माता-पिता वास्तव में खुश होंगे। वे लगातार मुझे मेरा स्कोर चैक करने के लिए बुला रहे हैं। उन्होंने चुनौतियों के बावजूद हमेशा इस खेल में मुझे आगे बढ़ाने में मेरा समर्थन किया है। मल्लखंब का मुंबई शहर के साथ एक आंतरिक संबंध है। ऐतिहासिक ग्रंथों और प्राचीन कलाकृतियों द्वारा सुझाए गए साक्ष्य के अनुसार, मराठा राजा पेशवा बाजीराव द्वितीय के फिटनेस और खेल प्रशिक्षक बलमभट्ट दादा देवधर ने 1800 के दशक में एक प्रशिक्षण पद्धति के रूप में पेशवा की सेना के लिए कला के इस रूप को पुनर्जीवित किया। इस बात का समर्थन करने के लिए ऐतिहासिक सबूत भी हैं कि मराठा साम्राज्यके प्रसिद्ध व्यक्ति जैसे लक्ष्मीबाई, नाना साहब और तांत्या टोपे भी मल्लखंब का अभ्यास करते थे।

दीपक जो स्वयं मुंबई में कांदिवली के रहने वाले हैं, उन्होंने कहा, सम्राटों की परंपराओं को जीवित रखने के लिए, महाराष्ट्र ने मल्लखंब को एक खेल के रूप में अपनाया, मुंबई शहर में शिवाजी पार्क एथलीटों के लिए इसका केन्द्र बन गया। लेकिन अब, जैसे-जैसे खेल के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है, मल्लखंब मुंबई के सभी क्षेत्रों में फैल गया है। जैसे- चेंबूर, सांता क्रूज़, अंधेरी, या कांदिवली - राज्य से कुछ बेहतरीन एथलीट उभर रहे हैं। स्वदेशी खेल को उस समय बढ़ावा मिला जब 2019 में मुंबई में पहली बार मल्लखंब विश्व चैम्पियनशिप आयोजित की गई, जिसमें 17 राष्ट्र खेल में भाग लेने के लिए आए थे। इस आयोजन को याद करते हुए, दीपक ने कहा कि वह विदेश में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखकर खुश हैं।

विराट खराब दौर से उबर जाएंगे : बांगड़

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के कोच और पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने विराट कोहली के खराब फॉर्म को लेकर कहा है कि वह पहले भी इस प्रकार के दौर से निकले हैं, इसलिए इस बार भी बेहतर होकर निकल आयेंगे। विराट मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पुणे में खेले गए मुकाबले में पारी की शुरुआत करते हुए केवल नौ रन ही बना पाये थे। विराट ने अब तक 9 मैच खेलते हुए सत्र के 16 मैचों में कुल 128 रन ही बनाये हैं हालांकि बांगड़ का उन पर भरोसा कायम है। उन्होंने कहा कि कोहली महान खिलाड़ी हैं और उन्होंने पहले भी इस तरह के खराब दौर का सामना किया है और वह जल्द ही अच्छा प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाएंगे। विराट के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा रन होने के साथ ही 5 शतक और 42 अर्धशतक भी हैं पर इस सत्र में वह अब तक विफल रहे हैं। मुख्य कोच के अनुसार विराट में जुनून होने के कारण राह में आने वाली हर चुनौती से निपटने की क्षमता है। मुख्य कोच का यह भी मानना है कि कोहली टीम को आने वाले समय में मैच जीतने में सहायता करेंगे। बांगड़ ने कहा, 'विराट ने अपनी अभ्यास शैली में कोई बदलाव करने के बारे में नहीं सोचा है। वह जिस तरह से तैयारी करते हैं, हमेशा अपने को अपने कम्फर्ट जोन से बाहर रखते हैं , यही उनकी सबसे बड़ी खूबी है। यही कारण है कि वह कठिन हालातों से भी उबर सकते हैं और उनका रवैया काबिले तारीफ है।

आईपीएल में 150 विकेट लेने वाले 8 गेंदबाज बने अश्विन

मुम्बई ।

राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में रजत पाटीदार का विकेट लेते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। रजत का विकेट लेते ही अश्विन आईपीएल में 150 विकेट लेने वाले छठे भारतीय और 8 गेंदबाज बने हैं। विराट से पहले आईपीएल में 5 भारतीय गेंदबाजों ने 150 से अधिक विकेट लिए हैं। वहीं इसके साथ ही अश्विन टी20 क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। अश्विन के अब टी20 क्रिकेट में 271 विकेट हो गए हैं। इस मामले में उन्होंने भारत के ही लेग स्पिनर पीयूष चावला और युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा है। चावला ने भारत के लिए टी20 क्रिकेट में 270 विकेट जबकि चहल ने 265 विकेट लिए हैं। अश्विन ने बेंगलुरु के खिलाफ 4 ओवर में 4.2 की इकोनमी से 17 रन दिए और 3 अहम विकेट लिए।

आईपीएल में मैच विजेता बनकर उभरे ये बैकअप खिलाड़ी

नई दिल्ली ।

आईपीएल के 15 वें सत्र में जहां कई दिग्गज खिलाड़ी नाकाम रहे हैं। वहीं कई ऐसे खिलाड़ी सफल रहे हैं जिन्हें टीमों ने बैकअप (विकल्प) के तौर पर शामिल किया था। अब वही खिलाड़ी मैच विजेता के रुप में सामने आये हैं। शुरुआत में इन खिलाड़ियों को अंतिम ग्यारह में तक जगह मिलने की उम्मीद नहीं थी पर जब इन्हें जगह मिली तो इन्होंने कमाल दिखा दिया है। ऐसे खिलाड़ियों में चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव से लेकर तेज गेंदबाज उमेश यादव और कई अन्य खिलाड़ी शामिल हैं।

कुलदीप याददद - कुलदीप के लिए पिछला समय अच्छा नहीं रहा। आईपीएल 2022 की ऑक्शन से पहले केकेआर ने उन्हें रिलीज कर दिया था। मेगा नीलामी में भी कुलदीप पर दो टीमों ने दांव लगाया और बाजी दिल्ली कैपिटल्स ने मारी और 2 करोड़ में इस गेंदबाज को खरीद लिया। इस सत्र में वह दिल्ली के अब तक हुए सभी मुकाबलों में अंतिम ग्यारह में शामिल रहे ओर उन्होंने टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

अपनी पुरानी टीम केकेआर के खिलाफ 4 विकेट लेने उन्होंने इसे साबित भी किया और पहली पसंद का गेंदबाज न होने के बावजूद अपने प्रदर्शन से इस सत्र में कैपिटल्स की ओर से अहम भूमिका निभाई है।

उमेश यादव : इस सत्र में उमेश को अंत में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने खरीदा था। वह पावरप्ले में टीम के विशेषज्ञ गेंदबाज के तौर पर सामने आये जबकि नीलामी में किसी भी टीम ने उनमें रुचि नहीं दिखायी थी। उन्हें 2 करोड़ में केकेआर ने खरीदा। पैट कमिंस और टिम साउदी की अनुपलब्धता की वजह से उमेश को अंतिम ग्यारह में जगह मिली और उन्होंने इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए पावरप्ले में अपनी गेंदबाजी से सबको हैरान किया। . शुरुआती पांच मुकाबलों में उन्होंने पावरप्ले में 5.77 की इकोनॉमी रेट से 6 विकेट लिए और इस अवधि में सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज भी बने।

शिवम दुबे: शिवम ने पावर हिटर के रूप में इस सत्र में तीन अहम पारियां खेली। इसमें से एक 95 रन की पारी अपनी पुरानी टीम आरसीबी के खिलाफ खेली थी। शिवम को चेन्नई सुपर किंग्स ने नीलामी में बड़ी कीमत में खरीदा था। सीएसके में उन्हें आक्रामक बल्लेबाजी की आजादी मिली और इसी का उन्होंने लाभ उठाया।

शाहबाज अहमद- बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले शाहबाज बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। साल 2020 में आरसीबी से जुड़े थे पर उन्हें खेलने के मौके कम ही मिले। इस साल नीलामी में दोबारा आरसीबी ने इस खिलाड़ी को खरीदा और शाहबाज ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया। . अब तक इस खिलाड़ी को जो मौके मिले हैं, उसने अपने चयन को सही साबित किया है और फर्स्ट चॉइस खिलाड़ी नहीं होने के बावजूद मैच विजेता बनकर उभरे हैं. दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 21 गेंद में 32 रन की पारी इसका सबूत है।

पूर्व क्रिकेटर चोपड़ा और दासगुप्ता बोले, पारी की शुरुआत करें विराट

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर निखिल चोपड़ा और दीप दासगुप्ता ने कहा है कि विराट कोहली को अपनी लय हासिल करने के लिए पारी की शुरुआत करनी चाहिये। चोपड़ा और दासगुप्ता का मानना है कि पारी की शुरुआत करते हुए विराट मैच पर बेहतर नियंत्रण कर सकते हैं। चोपड़ा ने कहा कि वह हमेशा चाहते हैं कि कोहली पारी की शुरुआत करें और उन्हें अधिक से अधिक गेंद खेलने का अवसर मिले। चोपड़ा ने कहा कि युवा सलामी बल्लेबाज अनुज रावत अब तक पारी की शुरुआत करते हुए कप्तान फाफ डु प्लेसिस के साथ बड़ी साझेदारी नहीं कर पाये हैं , ऐसे में अब विराट को कप्तान के साथ बल्लेबाजी करनी चाहिए। इससे उन्हें अपनी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने का अवसर मिलेगा। पावरप्ले के ओवरों में केवल दो क्षेत्ररक्षकों के साथ, निश्चित रूप से औसत और स्ट्राइक रेट बेहतर हो जाता है। मैं हमेशा से चाहता हूं कि वह ओपन करे क्योंकि वह खेल को बेहतर तरीके से नियंत्रित करता है। वहीं दासगुप्ता का भी मानना है कि कोहली की आरसीबी टीम के लिए पारी की शुरुआत अच्छी रहेगी। उन्होंने कहा यह बदलाव विराट के लिए भी अच्छा होगा, क्योंकि उसने टीम के लिए पर्याप्त रन नहीं बनाए हैं। वह पारी शुरु करते हुए अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और चौथे नंबर पर पहले ही अपने को साबित कर चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पार्वती घाटी में घूमने की हैं कई बेहतरीन जगहें

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं।

भारत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है और यही कारण है कि यहां के हर राज्य में आपको प्रकृति का एक अलग सौंदर्य देखने को मिलेगा। ऐसा ही एक स्थान हिमाचल प्रदेश में भी स्थित है। भुंतर से स्पीति तक फैली, पार्वती घाटी हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित है। घाटी के पास घूमने के लिए कई आकर्षक स्थान हैं। रुद्र-नाग, सर्प के आकार का झरना, खिरगंगा के देवदार के जंगल जहाँ भगवान शिव का ध्यान किया जाता है, पांडु पुल का चट्टान का निर्माण और पिन-पार्वती दर्रा कुछ लोकप्रिय पर्यटन आकर्षण हैं। पिन वैली नेशनल पार्क एक अन्य पर्यटक आकर्षण है और यह हिम तेंदुए सहित वन्यजीवों की आबादी के लिए जाना जाता है। तो चलिए आज हम आपको पार्वती घाटी के आसपास घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं-

कसोल

हिमाचल प्रदेश में मिनी इज़राइल के रूप में जाना जाता है, कसोल पार्वती घाटी में एक हिल स्टेशन है। यह कुल्लू से 42 किमी पूर्व में 1640 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। कसोल अपनी सुंदर घाटी, पहाड़ों और महान जलवायु के कारण पूरे वर्ष बैकपैकर्स, ट्रेकर्स और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर मौजूद कैफे और रेस्तरां स्थानीय व्यंजनों के साथ इजरायल के व्यंजन परोसते हैं। कसोल में पार्वती नदी सफेद पानी राफ्टिंग के लिए आदर्श है। कसोल में पूरे साल सुखद मौसम रहता है। कसोल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से मई तक है।

तोश

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं। हालाँकि कुछ हद तक इसका व्यवसायीकरण हो गया है, फिर भी सड़कें, दुकानें और घर समान हैं। आप दिन में अपने चारों ओर बर्फ से ढके पहाड़ों और ग्लेशियरों को देख सकते हैं और रात में आकाश में फैले मिल्की वे को देख सकते हैं। या आप पास के ट्रेकिंग ट्रेल्स पर घूमने जा सकते हैं।

रसोल

पार्वती घाटी के लोकप्रिय शहर कसोल से लगभग 4 किमी की दूरी पर स्थित, रशोल या रसोल एक गाँव है जो तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। पार्वती नदी की भीड़ से दूर, रसोल पहाड़ों में ऊंचे स्थान पर स्थित है, जो समुद्र तल से लगभग 3,000 मीटर की ऊंचाई पर है।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत ज़ांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुज़रना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुवमेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियों के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी में घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वेदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

सार समाचार

एक और चीनी खतरा: इंसान में बर्ड फ्लू का पहला मामला आया सामने, चार साल का बच्चा संक्रमित

बीजिंग। कोरोना वायरस की चौथी लहर आने से पहले बुधवार को बर्ड फ्लू फैलने की खबर सामने आई है जिससे लोगों के बीच दहशत और बढ़ गई है। बता दें कि चार साल का बच्चा बर्ड फ्लू वायरस से संक्रमित हो गया है। बच्चा चीन का रहने वाला है। पहले से ही कोरोना के कहर से जूझ रहा चीन में एवियन फ्लू का एच3एन8 स्ट्रेन फैलने लगा है। हालांकि, विशेषज्ञों का दावा है कि इस वायरस के इंसानों में फैलने की संभावना कम है। एवियन फ्लू का पहला एच3एन8 स्ट्रेन 2002 में कई उत्तरी अमेरिकी पक्षियों में पाया गया था। इसके बाद यह वायरस घोड़ों और कुत्तों के शरीर में पाया गया। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने मंगलवार को कहा कि मध्य हेनान प्रांत में एक चार साल के बच्चे को अप्रैल की शुरूआत में बुखार सहित कई लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विभिन्न परीक्षणों के बाद, उसके शरीर में एवियन फ्लू के एच3एन8 स्ट्रेन की उपस्थिति पाई गई। इसका मतलब है कि वह बर्ड फ्लू से संक्रमित है। संक्रमित बच्चे के परिवार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग को सूचित किया है कि वे घर पर मुर्गियां रखते हैं। इसके अलावा, जिस क्षेत्र में वे रहते हैं, वहां बड़ी संख्या में जंगली बतख हैं। बच्चा सीधे पक्षियों से संक्रमित हुआ है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के अनुसार, बच्चे के अलावा परिवार के किसी भी सदस्यों में यह वायरस नहीं पाया गया है। आयोग ने दावा किया है कि, अभी भी आम जनता में इस वायरस के फैलने की कोई संभावना नहीं है हालांकि, सावधानी बरतने की जरूरत है। इसलिए विशेषज्ञ मृत पक्षियों और मुर्गियों से दूर रहने की लोगों को सलाह दे रहे हैं।

मरियम नवाज का दावा- इमरान खान ने सत्ता में बने रहने के लिये सेना से भीख मांगी थी

लाहौर। पाकिस्तान में सत्तारूढ़ दल पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने आरोप लगाया कि अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान सत्ता में बने रहने के लिए इतने उतावले थे कि उन्होंने अपनी सरकार को बचाने के लिए सेना से आखिरी मिनट तक भीख मांगी। पाकिस्तान के 75 वर्षों के इतिहास में से आधे से अधिक समय तक देश पर सेना का शासन रहा है, जहां कभी भी तख्तापलट होने की आशंका बनी रहती है। साथ ही सेना का सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में भी खासा दखल रहा है। हालांकि सेना ने हाल में शहबाज शरीफ और खान के बीच हुए राजनीतिक संघर्ष से यह कहते हुए खुद को दूर कर लिया था कि उसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं हैं। मरियम ने मंगलवार देर रात लाहौर में कार्यकताओं के सम्मेलन में कहा, इमरान खान इतने हताश थे कि उन्होंने अंतिम क्षणों तक अपनी सरकार को बचाने के लिए सेना से भीख मांगी थी। यहां तक ??कि उन्होंने अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के मद्देनजर पूर्व राष्ट्रपति और पीपीपी के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी तक से मदद का अनुरोध किया था। खान को 10 अप्रैल को नेशनल असेंबली में विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से प्रधान मंत्री पद से हटा दिया गया था और वह संसद द्वारा अपदस्थ किये गए पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री बन गए।

चीनी नागरिकों की मौत से भड़का चीन, आत्मघाती हमले की कड़ी निंदा की

बीजिंग। चीन ने पाकिस्तान से उसके देश में काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा बढ़ाने का बुधवार को आग्रह किया और कराची विश्वविद्यालय में हुए आत्मघाती हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। इस हमले में तीन चीनी शिक्षक और अन्य लोग घायल हो गए। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर हुए ताजा हमले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि चीनी नागरिकों का खून यूं ही नहीं बहाया जा सकता और इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों से यकीनन इसकी कीमत वसूली जानी चाहिए। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी स्थित कराची विश्वविद्यालय में मंगलवार को बुर्का पहने एक आत्मघाती महिला हमलावर ने एक कार को विस्फोट कर उड़ा दिया जिसमें तीन चीनी नागरिकों और एक अन्य की मौत हो गई।

तीसरा विश्व युद्ध कोई नहीं देखना चाहता: चीन

बीजिंग। चीन ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की यूक्रेन युद्ध को लेकर परमाणु संघर्ष की 'गंभीर' आशंका संबंधी चेतावनी को मंगलवार को खारिज करते हुए कहा कि कोई भी तीसरा विश्व युद्ध नहीं देखना चाहता। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद तीसरे विश्व युद्ध के छिड़ने के खतरे के बारे में लावरोव की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'कोई भी तीसरा विश्व युद्ध नहीं देखना चाहता।' वांग ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि संबंधित पक्ष संयम बरत सकते हैं, तनाव को बढ़ने से रोक सकते हैं, जल्द से जल्द शांति का माहौल बना सकते हैं।' रूसी समाचार एजेंसी ह्यातासह्न ने लावरोव के हवाले से कहा कि परमाणु युद्ध की अस्वीकार्यता रूस की सैद्धांतिक स्थिति है, हालांकि, इस तरह के संघर्ष के खतरे को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। चीन की स्थिति को रेखांकित करते हुए वांग ने कहा, ह्यह्यमौजूदा परिस्थितियों में, सभी पक्षों को संघर्ष रोकने के लिए बातचीत का समर्थन करना चाहिए।

श्रीलंकाई निर्वाचन आयोग ने सभी दलों से राजनीतिक गतिरोध समाप्त करने का आह्वान किया

कोलंबो। श्रीलंकाई निर्वाचन आयोग ने देश में व्याप्त राजनीतिक गतिरोध को समाप्त करने के लिए सभी राजनीतिक दलों से एक साथ मिलकर एक सर्वदलीय सरकार या एक समान निकाय बनाने का आग्रह किया है। देश में व्याप्त गंभीर आर्थिक संकट के बीच राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे है। वर्ष 1948 में ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद से कर्ज में डूबा श्रीलंका एक गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। निर्वाचन आयुक्त समन श्री रत्नायके ने कहा, 'निर्वाचन आयोग का मानना है कि एक सर्वदलीय कैबिनेट या इसी तरह के निकाय को एक अंतरिम सरकार बनानी चाहिए।' निर्वाचन आयोग संवैधानिक सुधारों को एक विशिष्ट समय सीमा के भीतर लागू करने और विदेशी मुद्रा प्राप्त करने और जनता को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए विशेष मंत्रालय बनाये जाने की वकालत कर रहा है। राष्ट्रपति राजपक्षे पर देश में आर्थिक और राजनीतिक संकट का समाधान करने के लिए तत्काल कदम के रूप में एक अंतरिम प्रशासन स्थापित करने का दबाव बढ़ रहा है। पूरे राजपक्षे परिवार के इस्तीफे की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन दो सप्ताह से अधिक समय से जारी है। राष्ट्रपति राजपक्षे ने कहा है कि वह 225 सदस्यीय संसद में 113 सीट हासिल करने वाले किसी भी समूह को सरकार सौंप देंगे, लेकिन राष्ट्रपति पद से इस्तीफा नहीं देंगे।

कीव में यूक्रेन और रुस की दोस्ती का प्रतीक बना हुआ सोवियत यूनियन के समय का एक स्मारक।

म्यांमार: सू ची को सुनाई गई पांच और साल की जेल की सजा, मीडिया से बात करने से रोका

बैंकॉक। सैन्य शासित म्यांमार की एक अदालत ने देश की पूर्व नेता आंग सान सू ची को भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराया और उन्हें बुधवार को पांच साल की जेल की सजा सुनायी। पिछले साल फरवरी में सेना द्वारा तख्तापलट के बाद सत्ता से बाहर कर दी गयीं सू ची ने इस आरोप से इनकार कर दिया था कि उन्होंने एक शीर्ष राजनीतिक सहकर्मी ने घूस के तौर पर सोना और हजारों डॉलर लिए थे। इस अपराध के तहत अधिकतम 15 साल की सजा और जुमार्ने का प्रावधान है। उनके समर्थकों और स्वतंत्र विधि विशेषज्ञों ने उनकी सजा की निंदा करते हुए इसे अनुचित और 76 वर्षीय सू ची को राजनीति से हटाने के मकसद से उठाया गया कदम बताया। उन्हें अन्य मामलों में पहले ही छह साल की कैद की सजा सुनायी जा चुकी है। सजा की खबर एक विधि अधिकारी के हवाले से आयी, जिन्होंने नाम न उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। राजधानी नेपीता में सू ची के मुकदमे की सुनवाई बंद कमरे में हुई और उनके वकीलों को मीडिया से बात करने से रोक दिया गया था।

अब लोगों को मिलेगी 'बोलने की स्वतंत्रता' : एलन मस्क

- ट्विटर खरीदने के ऐलान के बाद मालिक का पहला ट्वीट

वाशिंगटन (एजेंसी)

सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर खरीदने के ऐलान के बाद एलन मस्क ने पहला ट्वीट किया कि अब लोगों को यहां ह्यबोलने की स्वतंत्रता' की स्वतंत्रता मिलेगी। मस्क के इस ट्वीट के बाद यूरोपीय यूनियन ने साफ चेतावनी दी है कि ट्विटर का मालिक चाहे कोई भी हो जाए, उसे स्थानीय नियमों का पालन करना ही होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो भारी जुमार्ना लगेगा, इतना ही नहीं बैन भी झेलना पड़ सकता है। वहीं भारत सरकार ने पहली प्रतिक्रिया में साफ कर दिया है कि ट्विटर को देश में सोशल मीडिया के लिए बनाए गए नियमों में कोई छूट नहीं मिलेगी और इसका उल्लंघन करना भारी पड़ सकता है। यूरोपीय यूनियन में इंटरनल मार्केट के कमिश्नर थिएरी ब्रेटन ने सीधे तौर पर आगाह किया कि चाहे कार कंपनी हो या सोशल मीडिया कंपनी, अगर उसे यूरोप में काम करना है तो उसे स्थानीय नियम-कानून मानने पड़ेंगे, चाहे उस कंपनी का मालिक कोई भी हो। मिस्टर मस्क यह अच्छी तरह समझते हैं।भारत सरकार की तरफ से कहा गया कि ट्विटर को हमारे देश में बनाए गए नियमों में कोई छूट नहीं मिलेगी। केंद्रीय आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा ने कहा कि मैं एलन मस्क को शुभकामनाएं देता हूं लेकिन भारत में काम करने वाली सभी मध्यस्थ कंपनियों को लेकर जवाबदेही, सुरक्षा और विश्वास के हमारे लक्ष्य और अपेक्षाओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है, सबको उसका पालन करना ही होगा। बता दें कि भारत में सोशल मीडिया के लिए सख्त नियम हैं। इसके तहत कथित आपत्तिजनक ट्वीट्स को ब्लॉक करना, नफरत बढ़ाने वाले, भड़काऊ बयानों, पॉर्न और अन्य ट्वीट्स को फिल्टर करना होता है। बार-बार नियम तोड़ने वालों का अकाउंट सस्पेंड तक कर दिया जाता है। पिछले साल केंद्र सरकार ने आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को आपत्तिजनक ट्वीटस पर मिले प्रोटेक्शन को हटा दिया था।ट्विटर को भारत में नोडल अधिकारी, शिकायत अधिकारी और अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति का निर्देश भी दिया था। ट्विटर के सह-संस्थापक और पूर्व सीईओ जैक डॉर्सी ने भी इस मंच पर विचारों के आदान-प्रदान को सुधारने के लिए सालों काम किया था। बड़ा सवाल है कि खुद को स्वतंत्र भाषण का हिमायती बताने वाले मस्क इस दिशा में कितना काम कर पाते हैं और क्या उनके ऐसा करने पर उपयोगकर्ता और विज्ञापनदाता उनके साथ बने रहेंगे। मालूम हो कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीद रहे हैं और इसके पीछे उन्होंने इस मंच को 'बोलने की स्वतंत्रता' का स्थान बनाने का उद्देश्य बताया है।

इजराइल के प्रधानमंत्री और उनके परिवार को भेजा गोली और जान से मारने की धमकी वाला पत्र, बढ़ाई गई सुरक्षा

यरुशलम। (एजेंसी)

इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी मिली है जिसके बाद पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस के मुताबिक, प्रधानमंत्री व उनके परिवार के नाम एक पत्र मिला है जिसमें एक कारतूस है और जान से मारने की धमकी दी गयी है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने और आंतरिक सुरक्षा एजेंसी ह्यशिन बेटह्न ने प्रधानमंत्री व उनके परिवार को मिली धमकी के मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि पत्र बेनेट और उनके परिवार के लिए था जिसमें एक कारतूस भी था। प्रधानमंत्री के मीडिया सलाहकार ने मंगलवार को कहा, 'प्रधानमंत्री और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने वाला पत्र और कारतूस मिलने के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय ने बेनेट के परिवार की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार ईकाई को मजबूत करने का फैसला किया है।'

इजराइली अखबार 'हारेत्ज' ऑनलाइन ने एक सूत्र के हवाले से कहा है कि पत्र को बेनेट के रानाना आवास या यरूशलम स्थित आधिकारिक निवास पर नहीं भेजा गया है बल्कि प्रधानमंत्री की पत्नी गिलत बेनेट के पूर्व कार्यस्थल पर भेजा गया था। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने परिवार को पत्र के बारे में सूचित किया जिसने 'शिन बेट' को काम पर लगाया। खबर में कहा गया है कि पत्र में दंपति के 16 वर्षीय बेटे यौनी का जिक्र है और कहा है कि 'हम आप तक पहुंचेंगे।'

पीएम का पद संभालते ही शहबाज शरीफ को पाक कोर्ट से मिली राहत, धनशोधन मामले में सुनाया यह फैसला

लाहौर। (एजेंसी)

पाकिस्तान की एक अदालत ने 14 अरब रुपये के धनशोधन मामले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके बेटे व पंजाब के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री हमजा शहबाज की अग्रिम जमानत की अवधि बुधवार को 14 मई तक बढ़ा दी। अदालत के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की लाहौर स्थित विशेष अदालत ने बुधवार को शहबाज के आवेदन को स्वीकार कर लिया, जिसमें एक दिन के लिए व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी गई थी। हालांकि, अदालत ने प्रधानमंत्री को मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया, अन्यथा वह अगली सुनवाई पर 14 मई को अभियोग की कार्यवाही शुरू करेगा।' हमजा शरीफ हालांकि अदालत में पेश हुए। अधिकारी ने कहा कि अदालत ने शहबाज के वकील एडवोकेट अमजद परवेज को उनके इस दावे पर 14 मई को अदालत के समक्ष दलीलें पेश करने का निर्देश दिया कि उनके मुवक्किल को इस मामले में आरोपित नहीं किया जा सकता है। शहबाज सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के अध्यक्ष भी हैं। शहबाज और उनके बेटों - हमजा और सुलेमान - पर एफआईए ने नवंबर 2020 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और धन शोधन निरोधक अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। सुलेमान फरार है और ब्रिटेन में रह रहा है। एफआईए की जांच में कथित तौर पर शहबाज परिवार के 28 बेनामी खातों का पता चला है, जिसके माध्यम से 2008 से 2018 तक 14 अरब पाकिस्तानी रुपये (7.5 करोड़ अमरीकी डॉलर) की राशि का हेरफेर किया गया था।

समाजवादी वैक्सीन की तरह 'किम वैक्सीन' के इंतजार में है उत्तर कोरिया? एस्ट्रेजेनिका, सिनोवैक वैक्सीन लौटाई

प्योंगयांग। (एजेंसी)

कोरोना से मुक्ति दिलाने के लिए पूरे देश में देश में टीकाकरण की योजना बनाई जा रही थी तो उस वक्त सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस वैक्सीन को बीजेपी की कोरोना वैक्सीन बताते हुए कहा था कि मैं बीजेपी की कोरोना वैक्सीन को नहीं लगवाऊंगा। जब समाजवादी सरकार आएगी तो टीका मुहैया कराया जाएगा। ये और बात है कि न ही यूपी में समाजवादी सरकार आई और अखिलेश ने भी कोरोना की वैक्सीन लगवा ली। कोरोना महामारी को दो साल हो चुके हैं और भारत समेत दुनियाभर के देशों में वैक्सीनेशन अभियान जोरो-शोरों से चल रहा है। इस बीच कुछ देश ऐसे भी हैं जहां अभी तक कोरोना वैक्सीन लगनी शुरू नहीं हुई। इनमें से एक उत्तर कोरिया है और दूसरा इरीट्रिया है।

देश को संयुक्त राष्ट्र अभियान के तहत उत्तर कोरिया को 2 मिलियन डोज उपलब्ध कराने की कोशिश भी की गई, जिसमें एस्ट्रेजेनिका वैक्सीन शामिल थी। इसके साथ ही उत्तर कोरिया ने ये कहते हुए सिनोवैक वैक्सीन की डोज को लौटा दिया कि उनके देश में कोरोना नहीं है और वैक्सीन को किसी और प्रभावित देश को दे दी जाए। कोवैक्स की तरफ से करीब 250 हजार डोज उपलब्ध कराए जाने का भी कोई रिस्पांस नहीं मिलने के बाद शिपमेंट कैंसिल कर दिया गया। कई उत्तर कोरिया के वैक्सीन नहीं लिए जाने के कई कारण बता रहे हैं। कहा जाता है कि किम जोंग उन अमेरिका निर्मित फाइजर जैसी वैक्सीन की चाह में हैं। इसके अलावा अन्य कारण इनकी संख्या को लेकर है। उत्तर कोरिया ज्यादा वैक्सीन की मांग है जबकि उसे कम ही ऑफर किया गया है। इसलिए उसने सभी शिपमेंट को लौटा दिया। लेकिन इसके साथ ही कई जानकार इसके पीछे की वजह राजनीतिक भी बता रहे हैं। उत्तर कोरिया का रूख अमेरिका के प्रति हमेशा से कड़ा रहा है। ऐसे में अगर वो अमेरिका निर्मित वैक्सीन को अपने देश में इस्तेमाल में लाता है तो उसके अमेरिका विरोधी छवि को भी गहरा धक्का लगेगा। वैक्सीन पाने के लिए इसके वैक्सीनेशन प्लान को भी साझा करना होगा। उत्तर कोरिया हमेशा से गुपचुप तरीके से चीजी करने के लिए मशहूर है और इसमें उसे किसी की भी दखलअंदाजी पसंद नहीं।

यूएन महासचिव और रूस के राष्ट्रपति पुतिन की बैठक, इस बात पर हुए सहमत

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आमने सामने की बैठक हुई। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि वे मारियुपोल शहर में एक इस्पात संयंत्र से लोगों को निकालने की व्यवस्था करने पर सहमत हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफेन दुजारिक ने कहा कि रूसी नेता और संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने मंगलवार को मानवीय सहायता और संघर्ष क्षेत्र यानी मारियुपोल से लोगों को निकालने के प्रस्तावों पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि वे सैद्धांतिक तौर पर सहमत हुए हैं और अजोवस्ताल स्टील परिसर से लोगों को निकालने की कवायद में संयुक्त राष्ट्र और इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेड क्रॉस को शामिल किया जाना चाहिए। इस इस्पात संयंत्र में यूक्रेन के रक्षकों ने कड़ा रुख अख्तियार किया हुआ है। दुजारिक ने कहा कि लोगों को निकालने पर संयुक्त राष्ट्र मानवीय कार्यालय और रूसी रक्षा मंत्रालय के साथ चर्चा की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, पुतिन और गुतारेस की बैठक करीब दो घंटे तक चली। वे सफेद रंग की एक लंबी मेज पर आमने-सामने बैठे थे जहां सुनहरे रंग के पर्दे डले थे जिनका बॉर्डर लाल रंग का था। मेज पर उनके सिवाए कोई नहीं बैठा था। गुतारेस ने यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई की आलोचना की और इसे पड़ोसी की क्षेत्र अखंडता का उल्लंघन बताया और रूस से इस्पात संयंत्र में फंसे लोगों को निकालने की अनुमति देने का आग्रह किया। इसके जवाब में पुतिन ने दावा किया कि रूसी बलों ने संयंत्र में फंसे आम नागरिकों को निकालने के लिए मानवीय गलियारे की पेशकश की थी।

उन्होंने कहा कि मगर यूक्रेन के रक्षकों ने संयंत्र में आम लोगों को मानव ढाल बनाया हुआ है और उन्हें जाने नहीं दे रहे हैं। अजोवस्ताल स्थल रूसी हमले में पूरी तरह से तबाह हो गया है लेकिन यह मारियुपोल में यूक्रेन के प्रतिरोध का अंतिम क्षेत्र है। इसके जर्जर ढांचों के नीचे करीब दो हजार सैनिक और एक हजार नागरिक छुपे हुए हैं। पुतिन के साथ बैठक के बाद गुतारेस पोलैंड के जेजॉ गए जहां वह पोलैंड के राष्ट्रपति एंड्रेज डूडा से मुलाकात करेंगे। वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमीर जेलेंस्की और विदेश मंत्री दमीत्रो कुलेबा के साथ बैठक के लिए बृहस्पतिवार को कीव जाएंगे और फिर उनकी बैठक पुतिन के साथ होने की उम्मीद है। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर चढ़ाई की थी और गुतारेस ने रूस पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उल्लंघन का आरोप लगाया था जो विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान करता है। उन्होंने बार-बार दुश्मनी को खत्म करने की अपील की है जिसका कोई असर नहीं हुआ है। गुतारेस ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा था कि नागरिकों को निकालने और सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित और प्रभावी मानवीय गलियारे की तत्काल जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने मानवीय संपर्क समूह स्थापित करने का भी प्रस्ताव दिया था जिसमें रूस, यूक्रेन और संयुक्त राष्ट्र शामिल हो जो सुरक्षित गलियारों को खोलने के मौकों पर गौर करे। दुजारिक ने मारियुपोल से नागरिकों की व्यापक निकासी या गुतारेस के मानवीय संपर्क समूह का कोई ज़िक्र नहीं किया लेकिन इस्पात संयंत्र से लोगों को निकालना अहम कदम होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर अब तक 6031 'अवैध' लाउडस्पीकर हटाए गए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर धार्मिक स्थलों से अब तक 'अवैध' रूप से लगाए गए 6,031 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं और अनेक स्थानों पर वैध ध्वनि विस्तारक यंत्रों की आवाज धीमी की गई है। प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बुधवार को बताया, पूरे प्रदेश में धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकर उतारने और वैध लाउडस्पीकर की आवाज कम करने के सिलसिले में एक अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार दोपहर तक 6,031 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं और 29,674 ध्वनि विस्तारक यंत्रों की आवाज अनुमन्य सीमा तक कम की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछले हफ्ते वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए दिशा निदेर्शों के आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है। योगी ने कहा था कि हर किसी को अपनी-अपनी धार्मिक आस्था के हिसाब से पूजा और इबादत करने की आजादी है लेकिन लाउडस्पीकर की आवाज परिसर के बाहर नहीं जानी चाहिए ताकि दूसरे लोगों को कोई परेशानी ना हो। प्रदेश के गृह विभाग ने 'अवैध' रूप से लगाए गए लाउडस्पीकर को हटाने की कार्रवाई की स्थिति रिपोर्ट आगामी 30 अप्रैल को मांगी है। पुलिस विभाग द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक सबसे ज्यादा 1,366 लाउडस्पीकर वाराणसी जोन से उतारे गए हैं। इसके अलावा मेरठ जोन में 1,215, बरेली जोन में 1,070 और कानपुर जोन में 'अवैध' रूप से लगाए गए 1,056 लाउडस्पीकर हटाये गये हैं।

'हेट इन इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' साथ-साथ नहीं चल सकते : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कुछ वैश्विक ब्रांड के भारत छोड़ने की खबर का हवाला देते हुए बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि 'हेट इन इंडिया' (भारत में घृणा) और 'मेक इन इंडिया' (भारत में विनिर्माण) साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्होंने देश में बेरोजगारी की स्थिति का भी जिक्र किया और प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वह इस संकट से निपटने पर ध्यान दें। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'कारोबार भारत से बाहर ले जाने की सुगमता है। सात वैश्विक ब्रांड, नौ फैक्ट्रियां और 649 डीलरशिप चले गए। 84,000 नौकरियां खत्म हो गईं।' उन्होंने कहा, 'मोदी जी, 'हेट इन इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत के खतरनाक बेरोजगारी संकट पर ध्यान देने का समय है।

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को चेतावनी के तौर पर लिया जाए: अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी को चेतावनी के रूप में लेते हुए हमें इससे जुड़े प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर बुधवार को मुख्यमंत्रियों, केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपालों और प्रशासकों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक की। इसमें गहलोत भी मुंबई से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जुड़े। बैठक के बाद गहलोत ने ट्वीट किया, 'ब्रिटेन, जर्मनी व चीन समेत तमाम देशों में कोविड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। देश के कुछ हिस्सों में भी संक्रमण में बढ़ोत्तरी हुई है। इसकी गंभीरता को देखते हुए कोरोना की परिस्थितियों पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में की जा रही सभी मुख्यमंत्रियों की बैठक में भाग लिया।' गहलोत के कहा, 'कोरोना वायरस के संक्रमण में बढ़ोत्तरी को एक चेतावनी के तौर पर लेकर हम सब को पुनः कोविड प्रोटोकॉल का पालन शुरू कर देना चाहिए।' उल्लेखनीय है कि गहलोत पिछले कई दिन से मुंबई में हैं।

अगले सप्ताह बांग्लादेश के दौरे पर जा सकते हैं विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस जयशंकर 28 अप्रैल को बांग्लादेश की यात्रा पर जा सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि जयशंकर की यात्रा का मकसद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा के लिए जमीन तैयार करना है। विदेश मंत्री अपनी यात्रा के दौरान बांग्लादेशी समकक्ष एके अब्दुल मोमेन के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करेंगे। जयशंकर के प्रधानमंत्री हसीना से भी मुलाकात करने की संभावना है।

पूर्व सीएम फडनवीस ने अमित शाह पर लिखी पुस्तक का विमोचन किया

मुंबई । महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडनवीस ने मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर मराठी में लिखी गई एक पुस्तक का विमोचन किया जो उनकी राजनीति यात्रा को दशार्ती है। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान फडनवीस ने पुस्तक का विमोचन करने के बाद राजनीतिक कौशल और चुनाव की गहरी समझ के लिए भाजपा के पूर्व अध्यक्ष शाह की सराहना की। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री फडनवीस ने कहा कि अमित शाह अनि भाजपाची वत्चल शीर्षक वाली पुस्तक में शाह के राजनीतिक सफर और उनके जीवन पर प्रकाश डालने के साथ ही भाजपा को मजबूत करने और उसे दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाने में उनके योगदान का भी उल्लेख किया गया है। मूल रूप से डॉ अर्निबन गांगुली और शिवानंद द्विवेदी द्वारा लिखी गई इस पुस्तक का मराठी में अनुवाद डॉ ज्योत्सना कोल्हाटकर ने किया है।

जम्मू-कश्मीर: सेना ने उधमपुर के एक जंगल में लगी आग पर पाया काबू

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सेना द्वारा समय पर की गई कार्रवाई सेजंगल में लगी भीषण आग पर काबू पा लिया गया। इस आग से गांव के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया था।अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चरात पंचायत के वन क्षेत्र में मंगलवार रात आग लग गई और तेजी से बैंथ गांव की ओर बढ़ने लगी। उत्तरी कमान रक्षा इकाई के प्रवक्ता ने बताया कि नागरिक प्रशासन के अनुरोध पर, उधमपुर मिलिट्री गैरीसन ने त्वरित कार्रवाई दल के साथ दमकल गाड़ियों और डिफेंस फायर सर्विसेज (डीएफएस) के दमकलकर्मियों को भेजा और आग पर काबू पा लिया। उन्होंने कहा, आग पर अब काबू पा लिया गया है। नागरिक प्रशासन और सेना के बीच घनिष्ठ संपर्क और समन्वय एवं जमीन पर सैनिकों के साहस और बहादुरी पूर्ण प्रयासों से ग्रामीणों पर आई एक बड़ी आपदा टल गई। प्रवक्ता ने कहा कि उत्तरी कमान हमेशा जम्मू-कश्मीर के अवाम की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले, कोरोना वायरस की चुनौती अभी पूरी तरह टली नहीं है

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पिछले दो हफ्तों में कुछ राज्यों में जिस प्रकार से कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़े हैं, उससे स्पष्ट है कि कोरोना की चुनौती अभी पूरी तरह टली नहीं है, लिहाजा देशवासियों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों, केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपालों और प्रशासकों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कोरोना महामारी की ताजा स्थिति की समीक्षा के बाद अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से पिछले दो हफ्तों में कुछ राज्यों में मामले बढ़े हैं उससे ये स्पष्ट है कि कोरोना की चुनौती अभी पूरी तरह टली नहीं है। ओमीक्रोन और उसके सब वैरिएंट्स किस तरह गम्भीर परिस्थिति पैदा कर सकते हैं, यह यूरोप के देशों में हम देख सकते हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कुछ देशों में कोरोना के विभिन्न स्वरूपों की वजह से कुछ लहरें भी आई लेकिन भारत ने कई देशों की तुलना में हालात पर काफी बेहतर नियंत्रण रखा है। उन्होंने कहा, 'इन सब के बावजूद पिछले दो हफ्ते से जिस तरह से कुछ राज्यों में मामले बढ़ रहे हैं, उससे हमें सतर्क रहना है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में टीकाकरण ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 2,927 नए मामले आए। इसके साथ ही देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,30,65,496 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से 32 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,23,654 हो गई है। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 16,279 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक संक्रमण की दैनिक दर

0.58 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.59 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 188.19 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है।

पेट्रोल-डीजल के दाम पर पीएम मोदी के बयान को लेकर भड़के उद्धव ठाकरे, कहा- भेदभाव कर रही है केंद्र सरकार

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों का भी मुद्दा उठाया। इसके साथ ही उन्होंने गैर बीजेपी शासित राज्यों से कहा कि वह वैट में कटौती करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान को लेकर अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उद्धव ठाकरे ने साफ तौर पर कहा कि केंद्र सरकार को सभी राज्यों के साथ एक जैसा बर्ताव करना चाहिए। लेकिन वह भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा टैक्स देने वाला राज्य महाराष्ट्र है। लेकिन आर्थिक मोर्चे पर महाराष्ट्र के साथ केंद्र सरकार लगातार भेदभाव कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि 26500 करोड रुपए का जीएसटी बकाया अब तक केंद्र सरकार से महाराष्ट्र को नहीं

मिल सका है।

मुख्यमंत्री कार्यालय का बयान

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से भी बयान आया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि आज, मुंबई में एक लीटर डीजल पर डीजल टैक्स का हिस्सा केंद्र के लिए 24.38 रुपये और राज्य के लिए 22.37 रुपये है। पेट्रोल टैक्स का हिस्सा केंद्रीय कर के रूप में 31.58 रुपये और राज्य कर के रूप में 32.55 रुपये है। इसलिए, यह सच नहीं है कि राज्य के कारण कीमतें अधिक महंगी हो गई हैं। बयान में कहा गया है कि राज्य के नागरिकों को राहत प्रदान करने के लिए, राज्य सरकार पहले ही प्राकृतिक गैस के संबंध में कर राहत दे चुकी है। प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इस गैस पर वैट की दर 13.5% से घटाकर 3% कर दी गई है।

भाजपा का पलटवार

वहीं, उद्धव ठाकरे के बयान को लेकर देवेंद्र फडणवीस ने भी पलटवार किया है। देवेंद्र फडणवीस ने साफ तौर पर कहा कि आरोप लगाने के बजाय लोगों को उधर सरकार राहत दें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर नवंबर में एक्सरसाइज ड्यूटी घटाई थी लेकिन गैर भाजपा शासित राज्यों ने लोगों को राहत नहीं दी। प्रधानमंत्री ने राज्यों से वैट घटाने की अपील की है। देवेंद्र फडणवीस ने साफ तौर पर कहा कि अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए उद्धव ठाकरे केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं।

पंजाब में विपक्षी दलों ने दिल्ली के साथ समझौते को लेकर मुख्यमंत्री मान पर साधा निशाना

चंडीगढ़ (एजेंसी)

पंजाब में विपक्षी दलों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ ज्ञान-साझेदारी संबंधी समझौते पर दस्तखत करने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा और उन पर अपने अधिकारों के समर्पण का आरोप लगाया। वहीं, आरोपों को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार ऐसा कोई भी कदम उठाने से नहीं हिचकिचाएगी, जिससे पंजाब और इसके लोगों को फायदा पहुंचता हो। उन्होंने कहा, दिल्ली इसे क्यों चलाएगी? पंजाब की सरकार राज्य की जनता द्वारा चुनी गई है। मान ने कहा, अगर पंजाब की बेहतरी के लिए हमें इटली भी जाना पड़ेगा तो हम वहां भी जाएंगे। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख प्रकाश सिंह बादल पर निशाना साधते हुए मान ने पूछा कि जब उन्होंने चीन, इजराइल और अन्य देशों की यात्रा की थी तो क्या वे देश उनकी पार्टी की सरकार चला रहे थे।

दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्रियों ने इस संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए और इसके बाद मान ने बताया कि पंजाब में 117 स्कूल और मोहल्ला क्लीनिक विकसित किए जाएंगे। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने समझौते पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि यह राज्य सरकार की ओर से जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से छोड़ देना है।

शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष बादल ने कहा कि यह पंजाब के लिए 'काला दिन' है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने मान को आड़े हाथ लेते हुए उनसे यह स्वीकार करने को कहा कि केजरीवाल अब दिल्ली से पंजाब को चलाएंगे। भारतीय जनता पार्टी की पंजाब इकाई के महासचिव सुभाष शर्मा ने भी मान को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि यह 'समझौता ज्ञापन' नहीं बल्कि 'समर्पण ज्ञापन' है। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने भी नाखुशी जताई और कहा, ज्ञान साझा समझौते की आड़ में मुख्यमंत्री मान ने पंजाब की स्वायत्ता का समर्पण कर दिया। इससे अरविंद केजरीवाल को पंजाब के अंदरूनी मामलों में असंवैधानिक हस्तक्षेप और नियंत्रण की अनुमति मिल गई है। इससे पंजाब की गरिमा को ठेस पहुंची है।

अखिलेश से ही नहीं, मुलायम से भी खफा हैं शिवपाल, आजम के बहाने साधा निशाना

लखनऊ । प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के प्रमुख शिवपाल यादव की भतीजे शिवपाल यादव से नाराजगी कोई नई बात नहीं है। हाल के दिनों में उन्होंने बड़े भाई मुलायम सिंह यादव के साथ भी असंतोष जाहिर करना शुरू कर दिया है। सत्ता संघर्ष में बेटे अखिलेश के साथ खड़े होने के बावजूद शिवपाल अब तक मुलायम को पिता तुल्य बताते रहे हैं, लेकिन अब वह उन पर भी निशाना साधने से नहीं चूक रहे हैं। प्रसपा चीफ ने आजम खान को लेकर एक बार फिर मुलायम सिंह यादव पर आरोप लगाया है कि उन्होंने उनकी रिहाई की कोशिश नहीं की। शिवपाल यादव ने मंगलवार को लखनऊ में कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में आजम का दर्द जाहिर किया और कहा कि मुलायम सिंह यादव को उनकी रिहाई के लिए काम करना चाहिए था। उन्होंने कहा आजम भाई को छोटे-छोटे केसों में जेल में 26 महीने हो गए हैं, उनको परेशान किया जा रहा है। परेशानी में हैं, वह भारी दिक्कत में हैं। शिवपाल ने कहा आजम खान साथ जुल्म हो रहा है। जब जुल्म हो रहा है तो सब लोगों को मदद करनी चाहिए। हम भी गए थे। कि नेता जी की अगुआई में समाजवादी पार्टी को, उनकी जमानत के लिए प्रयास करने चाहिए थे। उनको झूठे और छोटे-छोटे केसों में 26 महीने से बंद रखा गया है। सपा से बगावत का ऐलान कर चुके शिवपाल यादव सपा से नाराज चल रहे आजम खान को अपने साथ लाने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने पिछले दिनों सीतापुर जेल में जाकर सपा के दिग्गज मुस्लिम नेता से मुलाकात की थी।

ममता बनर्जी का दावा- बंगाल में कानून व्यवस्था अच्छी, यूपी, गुजरात, एमपी में दर्ज नहीं होती शिकायत

कोलकाता (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा लगातार ममता बनर्जी और उनकी सरकार के खिलाफ हमलावर रहती है। इन सब के बीच आज ममता बनर्जी ने भी भाजपा पर पलटवार किया है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि बंगाल में कानून व्यवस्था बेहतर है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था अच्छी है लेकिन मीडिया का एक वर्ग गलत सूचना फैला रहा है। वे मीडिया ट्रायल भी शुरू कर देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरे राज्य में, हम शिकायत दर्ज करते हैं। यूपी, गुजरात, एमपी में वे इसकी अनुमति नहीं देते हैं। आपने देखा होगा कि पत्रकार नग्न थे ताकि वे समाचार प्रकाशित न करें लेकिन मेरे राज्य में ऐसा नहीं होता।

ममता बनर्जी ने कहा कि अगर मैं अपनी पार्टी में कुछ गलत देखती हूं, तो मैं गिरफ्तारी और जांच का आदेश देती हूं...भाजपा ने भी मेरे खिलाफ शिकायत की थी लेकिन क्या कोई सच्चाई थी? इसकी पड़ताल करने की कोशिश करें। अगर यह सच है तो मैं हमेशा इसे (मीडिया में) प्रकाशित करने के लिए कहती हूं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां कोई भी घटना घटती है और अगर वह सत्य है तो उसपर कार्रवाई

की जाती है। मैंने भी लॉ पास किया है मैं भी कानून जानती हूं। दरअसल, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य सचिवालय नावान्न में विभिन्न योजनाओं और बढ़ रही गर्मी को लेकर सभी ज़िले के डीएम और एसपी के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक की।

पश्चिम बंगाल सीएम ने कहा कि केंद्रीय परियोजनाओं का नाम दूरस्थ क्षेत्रों में भाषा अवरोधों के कारण रखा गया है जहां लोग केंद्र द्वारा दिए गए नामों को नहीं समझ सकते हैं। किसी भी मामले में, केंद्र राज्यों से वसूले गए करों के माध्यम से राज्यों को भुगतान करता है। फिर भी, केंद्र द्वारा नियमित अंतराल पर देय राशि भी विधिवत नहीं दी जाती है। बैठक के दैरान सीएम ने कहा कि पाड़ा (इलाका) समाधान और दुआरे सरकार फिर से शुरू किया जाएगा। जिसके लिए फिर से आवेदन लिए जाएंगे।

जहांगीरपुरी हिंसा में सामने आया पीएफआई का कनेक्शन, साजिश को अंजाम देने के लिए 15 अप्रैल को हुई थी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दो साल पहले हुए दंगे की तरह ही जहांगीरपुरी में भी हिंसा की साजिश रची गई थी। क्राइम ब्रांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार इसके लिए न सिर्फ पीएफआइ ने फंडिंग की, बल्कि कई दिन पहले से इसकी साजिश रचना भी शुरू कर दिया था। यही नहीं, हनुमान जन्मोत्सव के एक दिन पहले ही पीएफआइ के सदस्यों ने जहांगीरपुरी में बैठक कर शोभायात्रा को बाधित करने और हिंसा को अंजाम देने की रणनीति तैयार की थी।

इस बैठक में अंसार, सोनू चिकना और सलीम सहित करीब 25 लोग शामिल हुए थे। हालांकि, क्राइम ब्रांच के अधिकारी इस बारे में अभी कुछ भी कहने से बच रहे हैं। फरवरी 2020 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) के विरोध में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे और शाहीन बाग के प्रदर्शन के मामले में पीएफआइ की संलिप्तता का पहली बार पता चला था। क्राइम ब्रांच के सूत्रों की मानें तो इन

दंगों में जिस तरह से पीएफआइ के जरिए फंडिंग की गई थी। ठीक उसी तरह से जहांगीरपुरी हिंसा के लिए फंडिंग किए जाने की जानकारी क्राइम ब्रांच को अब तक की जांच में मिली है। इसके बाद गोपनीय तरीके से क्राइम ब्रांच ने फंडिंग के एंगल से भी जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों का कहना है कि जांच में 20 से 25 ऐसे लोगों की क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली है, जो कि सीएए और एनआरसी के प्रदर्शन के साथ ही उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगे के दौरान सक्रिय रहे थे। इन सभी की लोकेशन 15 अप्रैल को जहांगीरपुरी में मिली है। इसके बाद ही क्राइम ब्रांच की जांच इस दिशा में आगे बढ़ी है। क्राइम ब्रांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक उत्तर-पूर्वी दिल्ली से भी बड़ा दंगा कराने की साजिश जहांगीरपुरी में रची गई थी। इसके लिए पीएफआइ के सदस्यों ने कई बैठकें की थीं। इसके बाद उपद्रवियों को हथियार मुहैया कराए गए थे। उपद्रवियों को उम्मीद थी कि शोभायात्रा पर पथराव और फायरिंग करते ही भगदड़ मच जाएगी। इसमें कई लोगों की जान जाएगी और बड़े स्तर पर हिंसा भड़केगी। इसके लिए पीएफआइ के करीब 20 सदस्य लोगों को उकसाने के लिए हिंसा वाले दिन जहांगीरपुरी में मौजूद थे। जहांगीरपुरी में 100 से अधिक पीएफआइ स्टूडेंट विंग के सदस्य भी रहते हैं। दिल्ली दंगा मामले में पिछले दिनों जो पूरक आरोप पत्र दायर किया गया है। उसमें भी पीएफआइ का लिंक उजागर हुआ है। आरोप पत्र में इस संगठन के तार आतंकी डा सबील अहमद से जुड़े होने की बात कही गई है। सबील अहमद स्काटलैंड के ग्लासगो एयरपोर्ट पर हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड है। एनआइए ने इसी आरोप पत्र का हवाला देते हुए कहा है कि सबील व अन्य आतंकियों से पीएफआइ का संपर्क है।

हमारे सोलर सिस्टम के चार ग्रह आसमान में करेंगे परेड, करीब 1000 साल बाद दिखेगा यह दुर्लभ नजारा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

इस हफ्ते आकाश में एक दुर्लभ नजारा देखने को मिलेगा। करीब 1000 साल के बाद हमारे सोलर सिस्टम के चार ग्रह आसमान में परेड करेंगे। दूसरे शब्दों में शनि, मंगल, शुक्र और बृहस्पति एक सीध में नजर आएंगे। अगर आसमान साफ रहा तो इन्हें सीधे आंखों से भारत में भी देखा जा सकेगा। सूर्योदय से एक घंटा पहले इस अनोखे दृश्य के गवाह आप भी बन सकते हैं। खगोल विज्ञानियों के मुताबिक, इससे पहले ऐसा दृश्य 947 एडी में दिखा था।

भुवनेश्वर के पठानी सामंता प्लेनेटेरियम के डिप्टी डायरेक्टर शुभेंदु पटनायक ने बताया कि अप्रैल 2022 के अंतिम सप्ताह में शुक्र, मंगल, बृहस्पति और शनि की आकाश में पूर्व की तरफ एक दुर्लभ और अनोखी परेड होने वाली है। सूर्योदय से लगभग एक घंटे पहले ये आसमान में दिखने लगेंगे। इन ग्रहों की आखिरी ऐसी परेड लगभग 1,000 साल पहले 947 ईस्वी में हुई थी। उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल से सूर्योदय से एक घंटा पहले चार ग्रह बृहस्पति, शुक्र, मंगल और शनि के साथ चंद्रमा पूर्वी क्षितिज से 30 डिग्री के भीतर बिल्कुल सीधी रेखा में दिखाई देगा। इन्हें दूरबीन से या उसके बिना भी देखा जा सकेगा। 30 अप्रैल को सबसे चमकीले ग्रह शुक्र और बृहस्पति एक साथ बहुत करीब दिखेंगे। शुक्र ग्रह बृहस्पति के 0.2 डिग्री दक्षिण में नजर आएगा।

पटनायक ने बताया कि प्लैनेट परेड आमतौर पर तीन तरह की होती है। हालांकि इस दुर्लभ नजारे की कोई वैज्ञानिक परिभाषा नहीं है, लेकिन खगोल विज्ञान में इसका इस्तेमाल उस घटना को दशार्ने के लिए होता है, जब सौर मंडल के ग्रह आकाश के एक ही क्षेत्र में एक लाइन में आते हैं। पहली तरह की प्लेनेट परेड वो होती है, जिसमें तीन ग्रह सूर्य के एक तरफ दिखते हैं। ऐसा नजारा आम होता है और साल में कई बार देखा जा सकता है। इसी तरह, साल में एक बार चार ग्रह एक सीध में आते हैं। हर 19 साल में 5 ग्रह एक लाइन में दिखते हैं। सभी आठ ग्रह 170 साल में एक बार एक सीध में नजर आते हैं। उन्होंने बताया कि दूसरी तरह की ग्रहों की परेड उसे कहा जाता है, जब कुछ ग्रह एक ही समय में आकाश के एक छोटे से क्षेत्र में दिखाई देते हैं।

ऐसी प्लेनेट परेड आखिरी बार 18 अप्रैल 2002 और जुलाई 2020 दिखी थी, जब सौर मंडल के वे सभी ग्रह जो नग्न आंखों से देखे जा सकते हैं, शाम के समय एक पंक्ति में नजर आए थे। पटनायक ने बताया कि तीसरी तरह की प्लेनेट परेड दुर्लभ होती है। अप्रैल के आखिर में आसमान में दिखने वाला नजारा इसी तरह की कैटिगरी में आता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोर्ट ने मूक बधिर किशोरी से दुष्कर्म और हत्या के दोषी को सुनाई सजा ए मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा,डीसा की एडिशनल कोर्ट ने 11 वर्ष की मूक बधिर किशोरी के साथ दुष्कर्म और बाद में उसकी निर्दयतापूर्वक हत्या के आरोपी को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा का आदेश दिया है। डीसा कोर्ट के इतिहास में पहली बार किसी दोषी को फांसी की सजा सुनाई गई है। चौंकानेवाली बात यह है कि आरोपी मृत किशोरी की सगी बुवा का बेटा है। घटना 16 अक्टूबर 2020 की है जब नीतिन किशोर चौहान नामक शख्स ने अपने सगे मामा के घर में मूक बधिर बहन के साथ जबरन दुष्कर्म किया था। बाद में अपनी करतूत का भांडा फूट नहीं जाए इसके लिए उसने मूक बधिर किशोरी का अपहरण कर उसे डीसा से 10 किलोमीटर दूर भाखर गांव ले गया। जहां फिर एक बार किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और बाद में निर्दयतापूर्वक उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। इतना ही नहीं किशोरी का एक ग्लास रक्तपीकर नितिन ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। किशोरी की हत्या के बाद नितिन सुबह अपने घर लौट आया। दूसरी ओर मूक बधिर किशोरी के माता-पिता समेत लोग उसकी रातभर तलाश करते रहे। सुबह भाखर गांव के निकट शव मिलने की खबर के बाद परिवार के लोग भाखर पहुंच गए। इस घटना को लेकर बनासकांठा जिले के लोगों में जबर्दस्त आक्रोश भड़क उठा। किशोरी के साथ दुष्कर्म और निर्दयतापूर्वक हत्या करने वाले आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने कैंडल मार्च भी निकाला। दूसरी ओर स्थानीय पुलिस और बनासकांठा जिला एलसीबी ने सीसीटीवी फूटेज और मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर आरोपी नितिन चौहान को चंद घंटों में दबोच लिया। नितिन चौहान के खिलाफ पोक्सो 376, 302 के तहत मामला दर्ज कर चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की गई। 16 महीने चली सुनवाई के बाद आखिरकार आज डीसा के अतिरिक्त सत्र न्यायधीश बीजी दवे ने आरोपी को दोषी करार दिया और फांसी की सजा का आदेश दिया है।

पॉश इलाके में चरस बेचते धरे गए माता-पुत्र, नवसारी से पिता-पुत्र भी गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सूरत क्राइम ब्रांच ने पूर्व सूचना के आधार पर शहर के डुमस रोड लक्जरिया ट्रेड हब के निकट से 235 ग्राम चरस के साथ माता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया नवसारी जिले के मूल निवासी माता-पुत्र सूरत के पॉश इलाके में चरस बेचने के लिए घूम रहे थे। माता-पुत्र से पूछताछ में जानकारी के आधार पर सूरत क्राइम ब्रांच ने नवसारी पुलिस की मदद से महिला के पति और अन्य एक बेटे को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चारों आरोपियों के पास से चरस समेत कुल रु 575153 का माल-सामान बरामद कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत क्राइम ब्रांच को सूचना मिली

थी कि शहर के वेसू क्षेत्र में एक्टिवा सवार माता-पुत्र चरस बेचने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने शहर डुमस रोड पर लक्जरिया ट्रेड हब के निकट से एक्टिवा सवार 22 वर्षीय उत्सव रमेश सांगाणी और उसकी माता शांता उर्फ शीतल सांगाणी को रोक तलाशी ली। तलाशी में शांता उर्फ शीतल के पर्स से रु 35343 रुपए कीमत की 235 ग्राम चरस बरामद हुई। क्राइम ब्रांच ने मां-बेटे को गिरफ्तार करने के साथ ही एक्टिवा, मोबाइल और नकद समेत रु 113343 का माल सामान जब्त कर लिया। साथ ही एक टीम नवसारी भेजी और स्थानीय एलसीबी के साथ मिलकर रमेश सांगाणी के घर रेड की। जहां से रु 234900 कीमत की 1560 ग्राम चरस, रु 195300 नकद समेत कुल रु 461810 का माल सामान बरामद किया और रमेश सांगाणी व उसके बेटे दर्शन सांगाणी को गिरफ्तार कर लिया। इस संदर्भ में सूरत क्राइम ब्रांच और नवसारी जिले के जलालपोर पुलिस थाने में दो अलग अलग मामले दर्ज किए। क्राइम ब्रांच की पूछताछ में शांता उर्फ शीतल सांगाणी ने बताया कि सूरत के अठवालाइन्स के केशवज्योत एपार्टमेंट के मूल निवासी और वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में रहनेवाले निरव अरुण पटेल से चरस मंगवाती थी। कभी वह स्वयं हिमाचल प्रदेश चरस लेकर आती थी और नवसारी स्थित अपने घर में छिपा देती थी। सूरत के पॉश इलाके और नवसारी में वह चरस बेचती थी। शांता उर्फ शीतल ने बताया कि कभी निरव पटेल उसकी परिचित संतोष चौहाण उर्फ आरती चौहाण के जरिए भी हिमाचल से चरस भेजता था। क्राइम ब्रांच ने निरव पटेल और संतोष चौहाण उर्फ आरती चौहाण को वॉन्टेड घोषित कर गिरफ्तार 4 आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की है।

सूरत के मोराभागल में हुआ झोपड़ियों का डिमोलिसन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के रांदेर जोन में मोरा भागल रोड के पास आए झोपड़ियों का कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच डिमोलिसन किया गया. दो दिन पहले जब नगर निगम झोपड़ी गिराने पहुंचा था तब जोरदार विरोध के चलते डिमोलिसन का काम रोक दिया गया था. फिर से कोई घर्षण नहीं हो इसके लिए नगर निगम ने पुलिस बंदोबस्ती साथ में रखकर डिमोलिसन का कार्य किया. स्थानीय लोगों के विरोध के बीच भी डिमोलिसन का काम चल रहा था. लोगों ने कहा कि हमें पहले लिखित में दिया गया था कि आपका घर नहीं हटाया जाएगा फिर भी हमें बेघर कर दिया गया हैं.

नगर पालिका के रांदेर ज़ोन में मोरा भागल के पास पिछले कुछ वर्षों से 15 से 20 झोपड़ियां बन चुकी हैं. नगर पालिका ने पहले भी झोपड़ीयों को हटाने का काम किया था. लेकिन जनता के विरोध के कारण कार्य खिलाफ जोरदार विरोध के कारण डिमोलिसन का कार्य रोक दिया गया था.

झोपडी वाले स्टे. ला सकते है पहले ही स्थानीय लोगों ने फिर हंगामा शुरूकर दिया था. लेकिन कड़ी पुलिस सुरक्षा होने के कारण कोई विरोध नहीं हुआ. स्थानीय लेकिन हमने विरोध किया था. जिसके बाद रांदेर ज़ोन के अधिकारी स्वय व्यक्तिात रूप से मिलने आए थे. रांदेर जोन के

लोग बोले-'अधिकारियों की गारंटी के बावजूद हटाए गए घर'

रोक दिया गया था. लेकिन नगर पालिका द्वारा दो दिन पहले डिमोलिसन का कार्य कराया गया था, लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा नगर निगम की टीम के ऐसी संभावना होने के कारण नगर पालिका सुबह ही पुलिस बंदोबस्ती के साथ झोपड़ी का डिमोलिसन करने पहुच गई थी. नगर पालिका के कार्य करने से लोगों के विरोध के बीच नगर पालिका ने डिमोलिसन का कार्य किया. स्थानीय मुन्नाभाई ने कहा कि पहले भी डिमोलिसन के कार्य की शुरुआत की गई थी. अधिकारी सी.बी वसावा ने कहा था की, अब आपकी झोपड़ियां नहीं हटेंगी. फिर भी बिना बताए यहां डिमोलिसन की कार्रवाई शुरूकर दी गई थी.

गुजरात हाईकोर्ट से फिल्म अभिनेता शाहरूख खान को मिली बड़ी राहत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरातहाईकोर्ट ने पांच साल पहले वडोदरा रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्घटना के मामले में फिल्म अभिनेता शाहरूख खान बड़ी राहत दी थी। शाहरूख खान ने वडोदरा दुर्घटना को लेकर उनके खिलाफ दर्ज मामला रद्द करने की मांग करती याचिका गुजरात हाईकोर्ट में दाखिल की थी। हाईकोर्ट ने शाहरूख की मांग स्वीकार करते हुए उनके खिलाफ दर्ज मामला रद्द कर दिया है। घटना 23 जनवरी 2017 की रात की है। जब शाहरूख खान मुंबई से दिल्ली जानेवाली अगस्त क्रांति ट्रेन में अपनी फिल्म रईश की प्रमोशन के लिए जा रहे थे। वडोदरा में लोगों को जब पता चला कि अगस्त क्रांति में शाहरूख खान जा रहे हैं तो रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 6 पर बड़ी भीड़ जमा हो गई। ट्रेन में सवार शाहरूख ने अपनी टी शर्ट और गेंद भीड़ की ओर फेंक दी, जिसे पकडने के लिए लोगों में अफरातफरी

मच गई। इस अफरातफरी के बीच एक शख्स की मौत हो गई थी और कई लोग जख्मी भी हो गए थे। घटना के बाद रेलवे के एसपी ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में पता चला कि आयोजकों ने न कोई मंजूरी ली थी और ना ही रेलवे पुलिस को सूचना दी थी। जिसके बाद शाहरूख खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इस एफआईआर को रद्द करने के लिए शाहरूख खान ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान शाहरूख के वकील ने कहा कि उनके मुवक्कील माफी मांगने और मुआवजा देने को तैयार हैं। हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया कि शाहरूख खान ने उत्साह में आकर प्रमोशन की वस्तुएं भीड़ में फैंकी थी और उसे पकड़ने के लिए लोगों ने अपनी जान को खतरे में डालकर दौड़ लगा दी।